

316

3875

[illegible]

ཐུགས་ཀྱི་ལྷ་མོ་ལྟ་བུ་ཡིན་པ་ལྟར་གསུངས་པ་ལྟར་

ཐུགས་ཀྱི་ལྷ་མོ་ལྟ་བུ་ཡིན་པ་ལྟར་གསུངས་པ་ལྟར་
ཐུགས་ཀྱི་ལྷ་མོ་ལྟ་བུ་ཡིན་པ་ལྟར་གསུངས་པ་ལྟར་
ཐུགས་ཀྱི་ལྷ་མོ་ལྟ་བུ་ཡིན་པ་ལྟར་གསུངས་པ་ལྟར་
ཐུགས་ཀྱི་ལྷ་མོ་ལྟ་བུ་ཡིན་པ་ལྟར་གསུངས་པ་ལྟར་

ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་

༡༡༡། མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་ མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་ མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་
མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་ མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་ མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་
མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་ མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་ མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་
མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་ མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་ མཐོང་མཐོང་ཡུལ་འཕེལ་པའི་ཡུལ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

$$\begin{array}{r} 200 \\ 11 \\ \hline 221 \\ 22 \\ \hline 243 \\ 22 \\ \hline 265 \\ 22 \\ \hline 287 \\ 22 \\ \hline 309 \end{array}$$

[illegible]

བ། རང་གི་དོན་ཅེས་སུ་ཐོབ་པ། སྤྱིད་པར་གྱུ་རྒྱུ་སྤྱིད་པ་ཡོངས་སུ་བྱེད་པ། ཡང་དཔལ་ལོན་པ་ཀུན་ལ། ལེགས་པར་རྒྱལ་པར་ཕོལ་བའི་ཐུགས་སུ།
 ལེགས་པར་རྒྱལ་པར་ཐོལ་བའི་ཤེས་རབ་ཅན་དེ་དག་གིས། སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་ཀྱི་ཕྱིར་དང་། བཞུགས་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། གྲོལ་བར་
 བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། ལུ་གཤམ་ཅེད་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། བདེ་མེད་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། བྱེད་ཆུབ་ཀྱི་ལེགས་ཀྱི་ཆོས་རྣམས་ཡོངས་སུ་རྩོགས་
 བར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། ལུ་གཤམ་ཅེད་པ་ཡང་དཀྱིལ་རྩོགས་པའི་བྱེད་ཆུབ་པེས་པར་རྩོགས་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་ལས་སྤྱིད་ཡང་དག་པར་མཛོད་པ་
 དེར་ཞིན་དུ། བདག་མིང་འདི་ཞེས་བཀྱིད་སྤྲུངས་ཀྱང་། རུས་འདི་ཞེས་བཟུང་སྟེ། ཇི་སྤྱིད་སངས་མཁའ་ཤར་ཀྱི་བར་དུ། སེམས་ཅན་
 ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་ཀྱི་ཕྱིར་དང་། བཞུགས་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། གྲོལ་བར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། ལུ་གཤམ་ཅེད་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། བདེ་མེད་པར་

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper.

[illegible]

[illegible]

मन्त्रोऽयं ब्रह्मसूत्रस्य प्रथमः ॥ १ ॥
ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥
ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥
ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥
ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥
ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥
ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥

॥ १ ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is enclosed in a rectangular border and appears to be a formal record or decree. The script is dense and fills most of the page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense, handwritten text in a cursive script, likely Hebrew or Arabic. The text is arranged in several horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line border.

Handwritten text in a script, likely Tibetan, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Manichaean or similar ancient script. The text is written in dark ink on a light-colored background.

[Faint handwritten Tibetan script]



सं. सं. २७०

सं. सं. २७०

सं. सं.

सं. सं.



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदमुनिस्तपोविभूतः प्रह्लादश्च योगिन् ॥
 कौन्तिपुत्रश्च भीमार्जुनसंघातप्रसङ्गात् ॥

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

五

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The first line is partially obscured by a vertical line on the left. The text appears to be a continuous passage, possibly a letter or a section of a book. The ink is dark and the paper is aged and slightly discolored.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive script, possibly a historical form of a European language. The frame is simple and rectangular, enclosing the main body of text. The handwriting is dense and fills most of the space within the frame.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

144
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a single paragraph of prose.]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमः

326

[illegible]

1

[illegible]

אשר יצאנו ממצרים ויהי ביום
הוא יצאנו ממצרים ויהי ביום
הוא יצאנו ממצרים ויהי ביום
הוא יצאנו ממצרים ויהי ביום
הוא יצאנו ממצרים ויהי ביום

אשר יצאנו ממצרים ויהי ביום
הוא יצאנו ממצרים ויהי ביום
הוא יצאנו ממצרים ויהי ביום
הוא יצאנו ממצרים ויהי ביום

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

18

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, filling most of the page. The script is dense and difficult to decipher due to its cursive nature and the age of the document. The paper appears aged and slightly discolored.

11
22
33
44
55
66
77
88
99
100
111
122
133
144
155
166
177
188
199
200
211
222
233
244
255
266
277
288
299
300
311
322
333
344
355
366
377
388
399
400
411
422
433
444
455
466
477
488
499
500
511
522
533
544
555
566
577
588
599
600
611
622
633
644
655
666
677
688
699
700
711
722
733
744
755
766
777
788
799
800
811
822
833
844
855
866
877
888
899
900
911
922
933
944
955
966
977
988
999
1000

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The page is numbered '10' in the top left corner.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is organized into several lines, with some lines starting with a vertical line, possibly indicating a new section or entry. The script is dense and difficult to decipher due to its cursive nature and the age of the document.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed in a simple rectangular border.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in several lines, with some sections appearing to be enclosed in a rectangular border. The script is dense and difficult to decipher due to its cursive nature and the age of the document.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्तविराट्
 उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥
 तान्काङ्क्षन्सर्वभूतहितं धिमा
 नसः ॥

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several columns. The first column on the left contains a single large character, possibly a page number or a section marker. The subsequent columns contain dense, flowing script. The text is enclosed within a double-line border.

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular frame. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a specific dialect. The document is aged and shows signs of wear, including discoloration and some fading of the ink.

Small handwritten mark or character, possibly a page number or a section indicator.

Small handwritten mark or character, possibly a page number or a section indicator.

Small handwritten mark or character, possibly a page number or a section indicator.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into columns and rows, suggesting a structured record or account. The script is dense and fills the majority of the frame.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the paper shows signs of aging and wear.

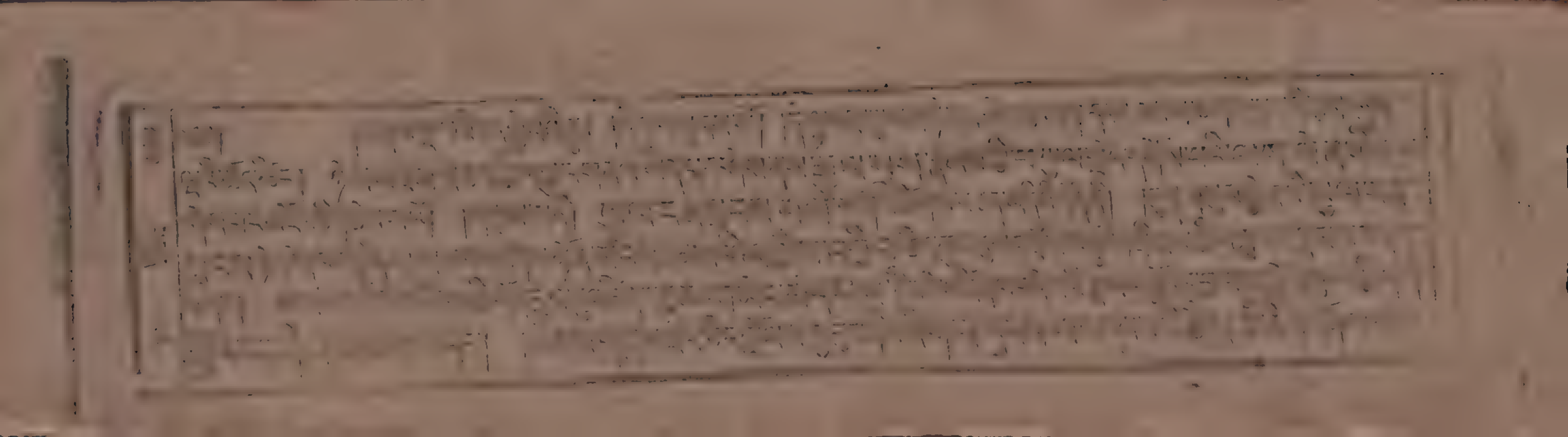
—

1890

,

101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612

152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636
 637
 638
 639
 640
 641
 642
 643
 644
 645
 646
 647
 648
 649
 650
 651
 652
 653
 654
 655
 656
 657
 658
 659
 660
 661
 662
 663



[illegible]

109

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line rectangular border.

121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

[The image shows a page from a manuscript with dense handwritten text in a cursive script, likely Hebrew or Arabic. The text is arranged in several horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness, the specific words and characters are illegible.]

[The following section contains several lines of handwritten Tibetan script.]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or ledger, enclosed in a rectangular border. The text is organized into columns and rows, suggesting a structured record. The script is dense and fills most of the page area within the border.

100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200

A photograph of a long, narrow, rectangular object, possibly a book cover or a piece of paper, with a light beige or cream color. The surface is heavily textured with numerous small, dark, irregular spots and scratches, suggesting wear or damage. The object is framed by a thin, dark border.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and is enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a specific dialect. The document is aged and shows signs of wear, including discoloration and faint markings.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is aged and slightly discolored.

... ..

| Year | Month | Day | Time | Place | Event |
|------|-------|-----|-------|----------|---------|
| 1901 | Jan | 1 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 2 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 3 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 4 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 5 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 6 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 7 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 8 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 9 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 10 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 11 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 12 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 13 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 14 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 15 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 16 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 17 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 18 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 19 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 20 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 21 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 22 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 23 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 24 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 25 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 26 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 27 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 28 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 29 | 10:00 | St. Paul | Arrived |
| 1901 | Jan | 30 | 10:00 | St. Paul | Left |
| 1901 | Jan | 31 | 10:00 | St. Paul | Arrived |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|
| 一 | 二 | 三 | 四 | 五 | 六 | 七 | 八 | 九 | 十 | 十一 | 十二 | 十三 | 十四 | 十五 | 十六 | 十七 | 十八 | 十九 | 二十 | 二十一 | 二十二 | 二十三 | 二十四 | 二十五 | 二十六 | 二十七 | 二十八 | 二十九 | 三十 | 三十一 | 三十二 | 三十三 | 三十四 | 三十五 | 三十六 | 三十七 | 三十八 | 三十九 | 四十 | 四十一 | 四十二 | 四十三 | 四十四 | 四十五 | 四十六 | 四十七 | 四十八 | 四十九 | 五十 | 五十一 | 五十二 | 五十三 | 五十四 | 五十五 | 五十六 | 五十七 | 五十八 | 五十九 | 六十 | 六十一 | 六十二 | 六十三 | 六十四 | 六十五 | 六十六 | 六十七 | 六十八 | 六十九 | 七十 | 七十一 | 七十二 | 七十三 | 七十四 | 七十五 | 七十六 | 七十七 | 七十八 | 七十九 | 八十 | 八十一 | 八十二 | 八十三 | 八十四 | 八十五 | 八十六 | 八十七 | 八十八 | 八十九 | 九十 | 九十一 | 九十二 | 九十三 | 九十四 | 九十五 | 九十六 | 九十七 | 九十八 | 九十九 | 一百 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several columns. The handwriting is dense and fills most of the frame.

卷之五

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|
| 一 | 二 | 三 | 四 | 五 | 六 | 七 | 八 | 九 | 十 | 十一 | 十二 | 十三 | 十四 | 十五 | 十六 | 十七 | 十八 | 十九 | 二十 | 二十一 | 二十二 | 二十三 | 二十四 | 二十五 | 二十六 | 二十七 | 二十八 | 二十九 | 三十 | 三十一 | 三十二 | 三十三 | 三十四 | 三十五 | 三十六 | 三十七 | 三十八 | 三十九 | 四十 | 四十一 | 四十二 | 四十三 | 四十四 | 四十五 | 四十六 | 四十七 | 四十八 | 四十九 | 五十 | 五十一 | 五十二 | 五十三 | 五十四 | 五十五 | 五十六 | 五十七 | 五十八 | 五十九 | 六十 | 六十一 | 六十二 | 六十三 | 六十四 | 六十五 | 六十六 | 六十七 | 六十八 | 六十九 | 七十 | 七十一 | 七十二 | 七十三 | 七十四 | 七十五 | 七十六 | 七十七 | 七十八 | 七十九 | 八十 | 八十一 | 八十二 | 八十三 | 八十四 | 八十五 | 八十六 | 八十七 | 八十八 | 八十九 | 九十 | 九十一 | 九十二 | 九十三 | 九十四 | 九十五 | 九十六 | 九十七 | 九十八 | 九十九 | 一百 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is aged and slightly discolored.

21591

Table 1

| Year | | 1990 | | 1991 | | 1992 | | 1993 | | 1994 | | 1995 | | 1996 | | 1997 | | 1998 | | 1999 | | 2000 | | 2001 | | 2002 | | 2003 | | 2004 | | 2005 | | 2006 | | 2007 | | 2008 | | 2009 | | 2010 | | 2011 | | 2012 | | 2013 | | 2014 | | 2015 | | 2016 | | 2017 | | 2018 | | 2019 | | 2020 | | 2021 | | 2022 | | 2023 | | 2024 | | 2025 | | 2026 | | 2027 | | 2028 | | 2029 | | 2030 | | 2031 | | 2032 | | 2033 | | 2034 | | 2035 | | 2036 | | 2037 | | 2038 | | 2039 | | 2040 | | 2041 | | 2042 | | 2043 | | 2044 | | 2045 | | 2046 | | 2047 | | 2048 | | 2049 | | 2050 | | 2051 | | 2052 | | 2053 | | 2054 | | 2055 | | 2056 | | 2057 | | 2058 | | 2059 | | 2060 | | 2061 | | 2062 | | 2063 | | 2064 | | 2065 | | 2066 | | 2067 | | 2068 | | 2069 | | 2070 | | 2071 | | 2072 | | 2073 | | 2074 | | 2075 | | 2076 | | 2077 | | 2078 | | 2079 | | 2080 | | 2081 | | 2082 | | 2083 | | 2084 | | 2085 | | 2086 | | 2087 | | 2088 | | 2089 | | 2090 | | 2091 | | 2092 | | 2093 | | 2094 | | 2095 | | 2096 | | 2097 | | 2098 | | 2099 | | 2100 | | 2101 | | 2102 | | 2103 | | 2104 | | 2105 | | 2106 | | 2107 | | 2108 | | 2109 | | 2110 | | 2111 | | 2112 | | 2113 | | 2114 | | 2115 | | 2116 | | 2117 | | 2118 | | 2119 | | 2120 | | 2121 | | 2122 | | 2123 | | 2124 | | 2125 | | 2126 | | 2127 | | 2128 | | 2129 | | 2130 | | 2131 | | 2132 | | 2133 | | 2134 | | 2135 | | 2136 | | 2137 | | 2138 | | 2139 | | 2140 | | 2141 | | 2142 | | 2143 | | 2144 | | 2145 | | 2146 | | 2147 | | 2148 | | 2149 | | 2150 | | 2151 | | 2152 | | 2153 | | 2154 | | 2155 | | 2156 | | 2157 | | 2158 | | 2159 | | 2160 | | 2161 | | 2162 | | 2163 | | 2164 | | 2165 | | 2166 | | 2167 | | 2168 | | 2169 | | 2170 | | 2171 | | 2172 | | 2173 | | 2174 | | 2175 | | 2176 | | 2177 | | 2178 | | 2179 | | 2180 | | 2181 | | 2182 | | 2183 | | 2184 | | 2185 | | 2186 | | 2187 | | 2188 | | 2189 | | 2190 | | 2191 | | 2192 | | 2193 | | 2194 | | 2195 | | 2196 | | 2197 | | 2198 | | 2199 | | 2200 | | 2201 | | 2202 | | 2203 | | 2204 | | 2205 | | 2206 | | 2207 | | 2208 | | 2209 | | 2210 | | 2211 | | 2212 | | 2213 | | 2214 | | 2215 | | 2216 | | 2217 | | 2218 | | 2219 | | 2220 | | 2221 | | 2222 | | 2223 | | 2224 | | 2225 | | 2226 | | 2227 | | 2228 | | 2229 | | 2230 | | 2231 | | 2232 | | 2233 | | 2234 | | 2235 | | 2236 | | 2237 | | 2238 | | 2239 | | 2240 | | 2241 | | 2242 | | 2243 | | 2244 | | 2245 | | 2246 | | 2247 | | 2248 | | 2249 | | 2250 | | 2251 | | 2252 | | 2253 | | 2254 | | 2255 | | 2256 | | 2257 | | 2258 | | 2259 | | 2260 | | 2261 | | 2262 | | 2263 | | 2264 | | 2265 | | 2266 | | 2267 | | 2268 | | 2269 | | 2270 | | 2271 | | 2272 | | 2273 | | 2274 | | 2275 | | 2276 | | 2277 | | 2278 | | 2279 | | 2280 | | 2281 | | 2282 | | 2283 | | 2284 | | 2285 | | 2286 | | 2287 | | 2288 | | 2289 | | 2290 | | 2291 | | 2292 | | 2293 | | 2294 | | 2295 | | 2296 | | 2297 | | 2298 | | 2299 | | 2300 | | 2301 | | 2302 | | 2303 | | 2304 | | 2305 | | 2306 | | 2307 | | 2308 | | 2309 | | 2310 | | 2311 | | 2312 | | 2313 | | 2314 | | 2315 | | 2316 | | 2317 | | 2318 | | 2319 | | 2320 | | 2321 | | 2322 | | 2323 | | 2324 | | 2325 | | 2326 | | 2327 | | 2328 | | 2329 | | 2330 | | 2331 | | 2332 | | 2333 | | 2334 | | 2335 | | 2336 | | 2337 | | 2338 | | 2339 | | 2340 | | 2341 | | 2342 | | 2343 | | 2344 | | 2345 | | 2346 | | 2347 | | 2348 | | 2349 | | 2350 | | 2351 | | 2352 | | 2353 | | 2354 | | 2355 | | 2356 | | 2357 | | 2358 | | 2359 | | 2360 | | 2361 | | 2362 | | 2363 | | 2364 | | 2365 | | 2366 | | 2367 | | 2368 | | 2369 | | 2370 | | 2371 | | 2372 | | 2373 | | 2374 | | 2375 | | 2376 | | 2377 | | 2378 | | 2379 | | 2380 | | 2381 | | 2382 | | 2383 | | 2384 | | 2385 | | 2386 | | 2387 | | 2388 | | 2389 | | 2390 | | 2391 | | 2392 | | 2393 | | 2394 | | 2395 | | 2396 | | 2397 | | 2398 | | 2399 | | 2400 | | 2401 | | 2402 | | 2403 | | 2404 | | 2405 | | 2406 | | 2407 | | 2408 | | 2409 | | 2410 | | 2411 | | 2412 | | 2413 | | 2414 | | 2415 | | 2416 | | 2417 | | 2418 | | 2419 | | 2420 | | 2421 | | 2422 | | 2423 | | 2424 | | 2425 | | 2426 | | 2427 | | 2428 | | 2429 | | 2430 | | 2431 | | 2432 | | 2433 | | 2434 | | 2435 | | 2436 | | 2437 | | 2438 | | 2439 | | 2440 | | 2441 | | 2442 | | 2443 | | 2444 | | 2445 | | 2446 | | 2447 | | 2448 | | 2449 | | 2450 | | 2451 | | 2452 | | 2453 | | 2454 | | 2455 | | 2456 | | 2457 | | 2458 | | 2459 | | 2460 | | 2461 | | 2462 | | 2463 | | 2464 | | 2465 | | 2466 | | 2467 | | 2468 | | 2469 | | 2470 | | 2471 | | 2472 | | 2473 | | 2474 | | 2475 | | 2476 | | 2477 | | 2478 | | 2479 | | 2480 | | 2481 | | 2482 | | 2483 | | 2484 | | 2485 | | 2486 | | 2487 | | 2488 | | 2489 | | 2490 | | 2491 | | 2492 | | 2493 | | 2494 | | 2495 | | 2496 | | 2497 | | 2498 | | 2499 | | 2500 | | 2501 | | 2502 | | 2503 | | 2504 | | 2505 | | 2506 | | 2507 | | 2508 | | 2509 | | 2510 | | 2511 | | 2512 | | 2513 | | 2514 | | 2515 | | 2516 | | 2517 | | 2518 | | 2519 | | 2520 | | 2521 | | 2522 | | 2523 | | 2524 | | 2525 | | 2526 | | 2527 | | 2528 | | 2529 | | 2530 | | 2531 | | 2532 | | 2533 | | 2534 | | 2535 | | 2536 | | 2537 | | 2538 | | 2539 | | 2540 | | 2541 | | 2542 | | 2543 | | 2544 | | 2545 | | 2546 | | 2547 | | 2548 | | 2549 | | 2550 | | 2551 | | 2552 | | 2553 | | 2554 | | 2555 | | 2556 | | 2557 | | 2558 | | 2559 | | 2560 | | 2561 | | 2562 | | 2563 | | 2564 | | 2565 | | 2566 | | 2567 | | 2568 | | 2569 | | 2570 | | 2571 | | 2572 | | 2573 | | 2574 | | 2575 | | 2576 | | 2577 | | 2578 | | 2579 | | 2580 | | 2581 | | 2582 | | 2583 | | 2584 | | 2585 | | 2586 | | 2587 | | 2588 | | 2589 | | 2590 | | 2591 | | 2592 | | 2593 | | 2594 | | 2595 | | 2596 | | 2597 | | 2598 | | 2599 | | 2600 | | 2601 | | 2602 | | 2603 | | 2604 | | 2605 | | 2606 | | 2607 | | 2608 | | 2609 | | 2610 | | 2611 | | 2612 | | 2613 | | 2614 | | 2615 | | 2616 | | 2617 | | 2618 | | 2619 | | 2620 | | 2621 | | 2622 | | 2623 | | 2624 | | 2625 | | 2626 | | 2627 | | 2628 | | 2629 | | 2630 | | 2631 | | 2632 | | 2633 | | 2634 | | 2635 | | 2636 | | 2637 | | 2638 | | 2639 | | 2640 | | 2641 | | 2642 | | 2643 | | 2644 | | 2645 | | 2646 | | 2647 | | 2648 | | 2649 | | 2650 | | 2651 | | 2652 | | 2653 | | 2654 | | 2655 | | 2656 | | 2657 | | 2658 | | 2659 | | 2660 | | 2661 | | 2662 | | 2663 | | 2664 | | 2665 | | 2666 | | 2667 | | 2668 | | 2669 | | 2670 | | 2671 | | 2672 | | 2673 | | 2674 | | 2675 | | 2676 | | 2677 | | 2678 | | 2679 | | 2680 | | 2681 | | 2682 | | 2683 | | 2684 | | 2685 | | 2686 | | 2687 | | 2688 | | 2689 | | 2690 | | 2691 | | 2692 | | 2693 | | 2694 | | 2695 | | 2696 | | 2697 | | 2698 | | 2699 | | 2700 | | 2701 | | 2702 | | 2703 | | 2704 | | 2705 | | 2706 | | 2707 | | 2708 | | 2709 | | 2710 | | 2711 | | 2712 | | 2713 | | 2714 | | 2715 | | 2716 | | 2717 | | 2718 | | 2719 | | 2720 | | 2721 | | 2722 | | 2723 | | 2724 | | 2725 | | 2726 | | 2727 | | 2728 | | 2729 | | 2730 | | 2731 | | 2732 | | 2733 | | 2734 | | 2735 | | 2736 | | 2737 | | 2738 | | 2739 | | 2740 | | 2741 | | 2742 | | 2743 | | 2744 | | 2745 | | 2746 | | 2747 | | 2748 | | 2749 | | 2750 | | 2751 | | 2752 | | 2753 | | 2754 | | 2755 | | 2756 | | 2757 | | 2758 | | 2759 | | 2760 | | 2761 | | 2762 | | 2763 | | 2764 | | 2765 | | 2766 | | 2767 | | 2768 | | 2769 | | 2770 | | 2771 | | 2772 | | 2773 | | 2774 | | 2775 | | 2776 | | 2777 | | 2778 | | 2779 | | 2780 | | 2781 | | 2782 | | 2783 | | 2784 | | 2785 | | 2786 | | 2787 | | 2788 | | 2789 | | 2790 | | 2791 | | 2792 | | 2793 | | 2794 | | 2795 | | 2796 | | 2797 | | 2798 | | 2799 | | 2800 | | 2801 | | 2802 | | 2803 | | 2804 | | 2805 | | 2806 | | 2807 | | 2808 | | 2809 | | 2810 | | 2811 | | 2812 | | 2813 | | 2814 | | 2815 | | 2816 | | 2817 | | 2818 | | 2819 | | 2820 | | 2821 | | 2822 | | 2823 | | 2824 | | 2825 | | 2826 | | 2827 | | 2828 | | 2829 | | 2830 | | 2831 | | 2832 | | 2833 | | 2834 | | 2835 | | 2836 | | 2837 | | 2838 | | 2839 | | 2840 | | 2841 | | 2842 | | 2843 | | 2844 | | 2845 | | 2846 | | 2847 | | 2848 | | 2849 | | 2850 | | 2851 | | 2852 | | 2853 | | 2854 | | 2855 | | 2856 | | 2857 | | 2858 | | 2859 | | 2860 | | 2861 | | 2862 | | 2863 | | 2864 | | 2865 | | 2866 | | 2867 | | 2868 | | 2869 | | 2870 | | 2871 | | 2872 | | 2873 | | 2874 | | 2875 | | 2876 | | 2877 | | 2878 | | 2879 | | 2880 | | 2881 | | 2882 | | 2883 | | 2884 | | 2885 | | 2886 | | 2887 | | 2888 | | 2889 | | 2890 | | 2891 | | 2892 | | 2893 | | 2894 | | 2895 | | 2896 | | 2897 | | 2898 | | 2899 | | 2900 | | 2901 | | 2902 | | 2903 | | 2904 | | 2905 | | 2906 | | 2907 | | 2908 | | 2909 | | 2910 | | 2911 | | 2912 | | 2913 | | 2914 | | 2915 | | 2916 | | 2917 | | 2918 | | 2919 | | 2920 | | 2921 | | 2922 | | 2923 | | 2924 | | 2925 | | 2926 | | 2927 | | 2928 | | 2929 | | 2930 | | 2931 | | 2932 | | 2933 | | 2934 | | 2935 | | 2936 | | 2937 | | 2938 | | 2939 | | 2940 | | 2941 | | 2942 | | 2943 | | 2944 | | 2945 | | 2946 | | 2947 | | 2948 | | 2949 | | 2950 | | 2951 | | 2952 | | 2953 | | 2954 | | 2955 | | 2956 | | 2957 | | 2958 | | 2959 | | 2960 | | 2961 | | 2962 | | 2963 | | 2964 | | 2965 | | 2966 | | 2967 | | 2968 | | 2969 | | 2970 | | 2971 | | 2972 | | 2973 | | 2974 | | 2975 | | 2976 | | 2977 | | 2978 | | 2979 | | 2980 | | 2981 | | 2982 | | 2983 | | 2984 | | 2985 | | 2986 | | 2987 | | 2988 | | 2989 | | 2990 | | 2991 | | 2992 | | 2993 | | 2994 | | 2995 | | 2996 | | 2997 | | 2998 | | 2999 | | 3000 | | 3001 | | 3002 | | 3003 | | 3004 | | 3005 | | 3006 | | 3007 | | 3008 | | 3009 | | 3010 | | 3011 | | 3012 | | 3013 | | 3014 | | 3015 | | 3016 | | 3017 | | 3018 | | 3019 | | 3020 | |
|------|--|
|------|--|

問曰：此等文字，乃古之遺蹟，其間多有不可解之處。然其大旨，則在於明理。今人讀書，不可不察其理之所在。若徒見其字之難，而不知其理之易，則與不讀無異。故凡讀書，必先求其理，然後求其字。理明則字自易，字易則理自明。此讀書之法也。

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line border.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a ledger or account book. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into columns and rows, suggesting a structured record-keeping system.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly a historical form of English or a related language. The page is divided into columns by vertical lines, suggesting a structured layout for entries or accounts. The text is dense and fills most of the frame.

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is organized into columns and rows, suggesting a structured record or account. The script is cursive and appears to be in a historical or regional language, possibly Persian or Arabic. The page is aged and shows signs of wear, including discoloration and faint markings.

100
[Illegible handwritten text in a single column, likely a manuscript page from a historical document.]

一、
二、
三、
四、
五、
六、
七、
八、
九、
十、
十一、
十二、
十三、
十四、
十五、
十六、
十七、
十八、
十九、
二十、
二十一、
二十二、
二十三、
二十四、
二十五、
二十六、
二十七、
二十八、
二十九、
三十、
三十一、
三十二、
三十三、
三十四、
三十五、
三十六、
三十七、
三十八、
三十九、
四十、
四十一、
四十二、
四十三、
四十四、
四十五、
四十六、
四十七、
四十八、
四十九、
五十、
五十一、
五十二、
五十三、
五十四、
五十五、
五十六、
五十七、
五十八、
五十九、
六十、
六十一、
六十二、
六十三、
六十四、
六十五、
六十六、
六十七、
六十八、
六十九、
七十、
七十一、
七十二、
七十三、
七十四、
七十五、
七十六、
七十七、
七十八、
七十九、
八十、
八十一、
八十二、
八十三、
八十四、
八十五、
八十六、
八十七、
八十八、
八十九、
九十、
九十一、
九十二、
九十三、
九十四、
九十五、
九十六、
九十七、
九十八、
九十九、
一百

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly a historical form of a European language, and is organized into several lines. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored.

101
The first of the three
is the most common
and is found in all
the other two.
The second is
found in the first
and the third.
The third is
found in the first
and the second.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly a historical form of a European language. The page is numbered "15" in the bottom right corner.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The first line on the left contains the number '101'. The text is enclosed in a double-line border.

ཅེད། །གཞན་གྱི་བྱས་་་

Table with 10 columns and 10 rows of handwritten text in a historical script, likely Devanagari. The text is organized into a grid within a rectangular border.

| | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
| 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 |
| 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |
| 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 |
| 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 |
| 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 |
| 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |

1951

101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612

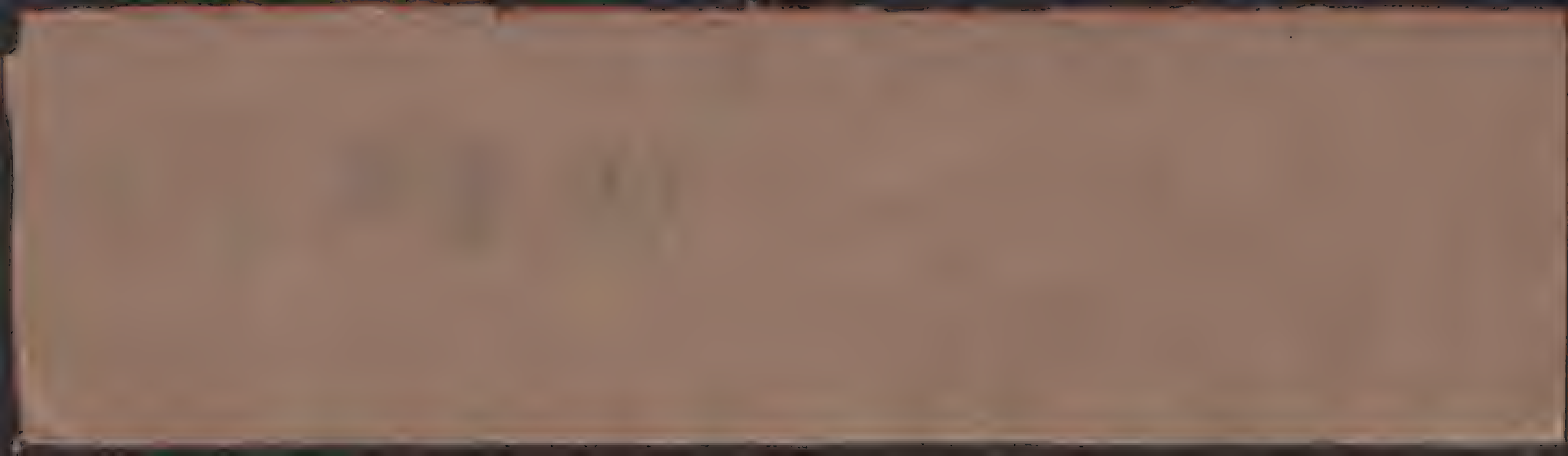
Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly a historical form of Chinese or a similar East Asian script. The characters are densely packed and arranged in horizontal lines across the page.

Table with 10 columns and 10 rows of handwritten text, likely a ledger or account book. The text is written in a cursive script, possibly from the 18th or 19th century. The columns are separated by vertical lines, and the rows are separated by horizontal lines. The handwriting is dense and fills the table area.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line rectangular border.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line border.

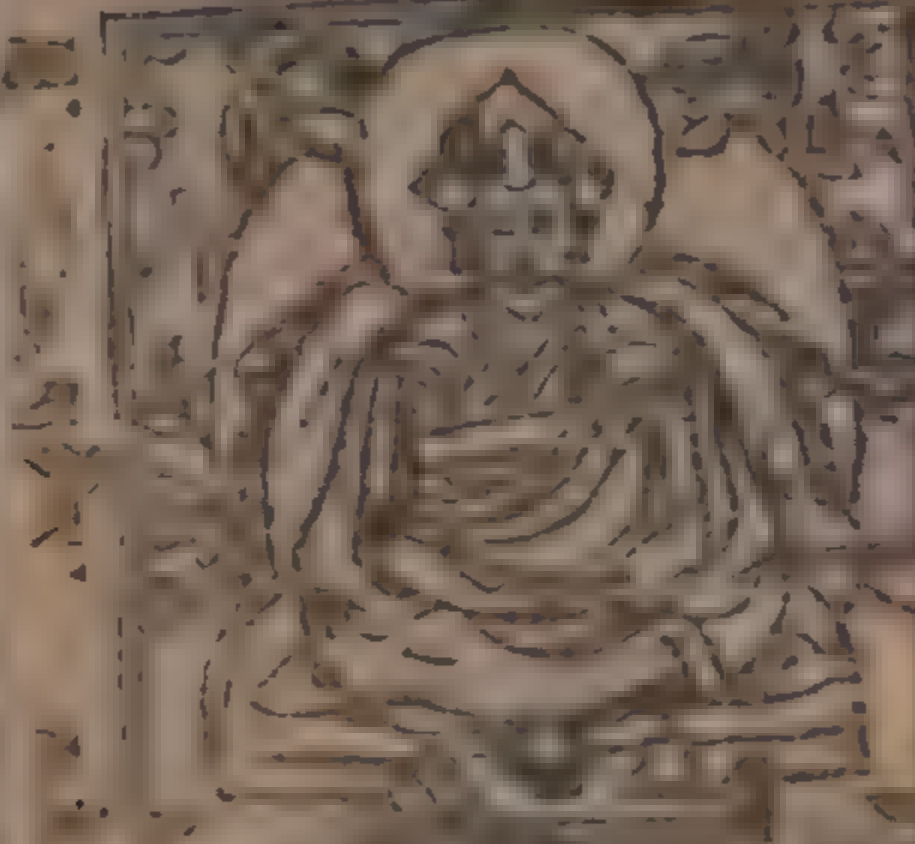
Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The frame is defined by a double-line border. The text is dense and fills most of the frame.



This image shows a blank, aged, cream-colored page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a slightly textured appearance with some faint smudges and discoloration, characteristic of old paper. The left edge of the page shows the binding of the book.

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अर्जुनसंवादे धर्मसंन्यासोपाध्यायः ॥
अथ धर्मसंन्यासयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥ अथ धर्मसंन्यासयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥
अथ धर्मसंन्यासयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥ अथ धर्मसंन्यासयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥
अथ धर्मसंन्यासयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥ अथ धर्मसंन्यासयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥



विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
विष्णुं सदाशिवं परब्रह्मण्यम् ॥
विष्णुं सदाशिवं परब्रह्मण्यम् ॥
विष्णुं सदाशिवं परब्रह्मण्यम् ॥
विष्णुं सदाशिवं परब्रह्मण्यम् ॥
विष्णुं सदाशिवं परब्रह्मण्यम् ॥
विष्णुं सदाशिवं परब्रह्मण्यम् ॥

—

[illegible]

क ३३। ०३३३। नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
०३३३। नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
३३। नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

327

[illegible]

[illegible]

597

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धमगमन् श्रीकृष्णः ॥ १ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्
 द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान् ॥ २ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्
 द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान् ॥ ३ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्
 द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान् ॥ ४ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्
 द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान् ॥ ५ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्
 द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान् ॥ ६ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्
 द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान् ॥ ७ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्
 द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान् ॥ ८ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्
 द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान् ॥ ९ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्
 द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान् ॥ १० ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदो वीर्यवान्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ १० ॥

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ सर्वदुःखहर्त्रा ॥
सर्वपापहर्त्रा ॥ सर्वकलहहर्त्रा ॥ सर्वद्वेषहर्त्रा ॥
सर्वमोहहर्त्रा ॥ सर्वमदहर्त्रा ॥ सर्वमनहर्त्रा ॥
सर्वमदहर्त्रा ॥ सर्वमनहर्त्रा ॥ सर्वमदहर्त्रा ॥
सर्वमनहर्त्रा ॥ सर्वमदहर्त्रा ॥ सर्वमनहर्त्रा ॥
सर्वमदहर्त्रा ॥ सर्वमनहर्त्रा ॥ सर्वमदहर्त्रा ॥
सर्वमनहर्त्रा ॥ सर्वमदहर्त्रा ॥ सर्वमनहर्त्रा ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

537

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीसूर्याय नमः ॥
 श्रीचंद्राय नमः ॥ श्रीवज्राय नमः ॥ श्रीधर्माय नमः ॥ श्रीज्ञानाय नमः ॥
 श्रीभक्त्याय नमः ॥ श्रीप्रेमाय नमः ॥ श्रीसाधनाय नमः ॥ श्रीयोगाय नमः ॥
 श्रीतन्त्राय नमः ॥ श्रीमन्त्राय नमः ॥ श्रीपाठ्याय नमः ॥ श्रीस्मृत्याय नमः ॥
 श्रीअष्टांगाय नमः ॥ श्रीसिद्ध्याय नमः ॥ श्रीफलदाय नमः ॥ श्रीशुभाय नमः ॥
 श्रीप्रदयाय नमः ॥ श्रीश्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥ श्रीगुरुवर्याय नमः ॥
 श्रीगुरुदेव्याय नमः ॥ श्रीगुरुदेवताय नमः ॥ श्रीगुरुदेवताय नमः ॥ श्रीगुरुदेवताय नमः ॥

000

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे
राजाधिराजः परमात्मन् । द्रुपदमुनिर्वाच ॥ १ ॥

卷之四

五

三

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता ॥
अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
काम्ययागं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
अहंशः प्रवृत्तः प्रवृत्तः प्रवृत्तः प्रवृत्तः ॥
अहंशः प्रवृत्तः प्रवृत्तः प्रवृत्तः प्रवृत्तः ॥
अहंशः प्रवृत्तः प्रवृत्तः प्रवृत्तः प्रवृत्तः ॥
अहंशः प्रवृत्तः प्रवृत्तः प्रवृत्तः प्रवृत्तः ॥

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमस्तस्मै श्रीकृष्णाय । नमस्तस्मै श्रीराधाय । नमस्तस्मै श्रीलोकेश्वराय । नमस्तस्मै श्रीनारायणाय । नमस्तस्मै श्रीहनुमान्नाथाय । नमस्तस्मै श्रीब्रह्माय । नमस्तस्मै श्रीविष्णवे । नमस्तस्मै श्रीशिवाय । नमस्तस्मै श्रीगुरुभ्यो नमः । नमस्तस्मै श्रीपूजार्थे । नमस्तस्मै श्रीसर्वज्ञाय । नमस्तस्मै श्रीसर्वकर्त्रे । नमस्तस्मै श्रीसर्वधर्माय । नमस्तस्मै श्रीसर्वभूतारम्भाय । नमस्तस्मै श्रीसर्वभूतान्तरे । नमस्तस्मै श्रीसर्वभूतान्तरे । नमस्तस्मै श्रीसर्वभूतान्तरे ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अर्जुनसंवादे ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
कौरवपाण्डवौ कुरूपात्रेण व्यूढौ ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
अर्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥
समवेता युयुत्सवाः कौरवपाण्डवौ कुरूपात्रेण व्यूढौ ॥ अहं कुरुक्षेत्रे ॥
समवेता युयुत्सवः अर्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कौरवपाण्डवौ कुरूपात्रेण व्यूढौ ॥
अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related classical language. The ink is dark, and the paper shows signs of aging and wear.

[The following text is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवासे
 अष्टाध्याये धर्मयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥
 १ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ द्रोण उवाच ॥
 ३ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥ भीम उवाच ॥ ५ ॥
 ६ ॥ युधिष्ठिर उवाच ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥
 १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥
 १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥
 २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥
 ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥
 ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥
 ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥
 ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
 ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥
 ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥
 ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥
 ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥
 ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥
 ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

218

樂

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

21

[illegible]

[illegible]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely a Tibetan Buddhist text. The text is written in a dense, cursive script across multiple horizontal lines. There are several large, stylized characters at the top, possibly indicating the start of a new section or chapter. The paper appears aged and slightly discolored.]

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ

[illegible]

2011

1991

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विष्णुः सत्त्वः । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत साज्जन्यं । तस्मात्पुत्रकाम वीर्यवान् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्री कृष्णार्जुनसंवा-
 दः । अर्जुन उवाच । पापं कुरुष्व मे न वीर्यवान् ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 महाबाहो शूरा ! तव प्रियांशुं मामासीत् ।
 संजित्वा मामकान् पश्यति सर्वदात्मना ।
 चक्रिण इव शङ्खः पश्यन्निबद्धधनुःपथः ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

201

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

—

23

51

1

10

1990

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

कमलेश्वरिणः । विष्णुकायकम् । विष्णुकायकम् । विष्णुकायकम् । विष्णुकायकम् । विष्णुकायकम् ।

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । श्रीगणेशाय नमः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ अथ मन्त्रः । अथ मन्त्रः । अथ मन्त्रः । अथ मन्त्रः । अथ मन्त्रः ।

[illegible]

237

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे भद्रा ॥ युयुत्सु उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ तत्रैव हि सज्जताः ॥
 ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अर्जुनस्य भ्रातृपुत्रैश्चैव
कुरुक्षेत्रे संवृता इमांश्चक्रे कथञ्चन ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखाय नमः । त्वत्पुत्रस्तु मे सुहृन्मया ।
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
भार्यकाश्च पुत्रान् पुत्रवतींश्चामृतमृतवासुरादिनाम् । शूराणां च महिमांश्च विन्दस्व महाबली ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
भार्यकाश्च पुत्रान् पुत्रवतींश्चामृतमृतवासुरादिनाम् । शूराणां च महिमांश्च विन्दस्व महाबली ॥

Handwritten text in a script, likely Tibetan, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Manichaean or similar ancient script. The text is written in dark ink on a light-colored background.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अर्जुन उवाच । पांडवस्य द्रुपदः पुत्रश्चैव । धर्मज्ञश्च वीर्यवान् । स हि मे युधामन्यु-
जं हतं विदुः । त्वं च मया द्रुपदस्य पुत्रस्य च । त्वं च मया द्रुपदस्य पुत्रस्य च । त्वं च मया द्रुपदस्य पुत्रस्य च ।

Main body of handwritten text, organized into approximately 10 horizontal lines. The script is a traditional Indic script, possibly Devanagari or Grantha, and is enclosed within a rectangular border.

227

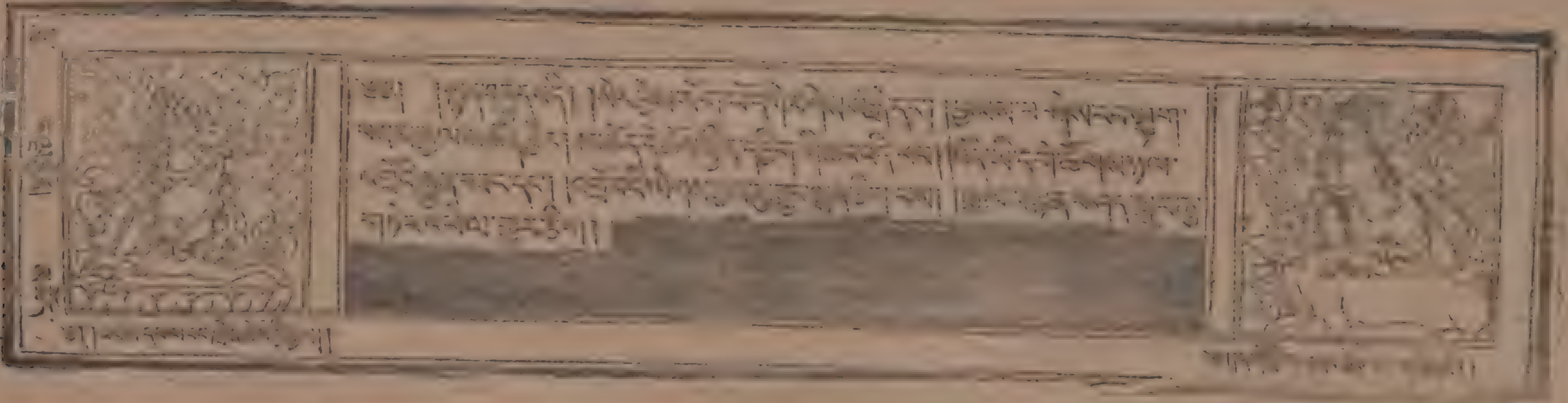
[illegible]

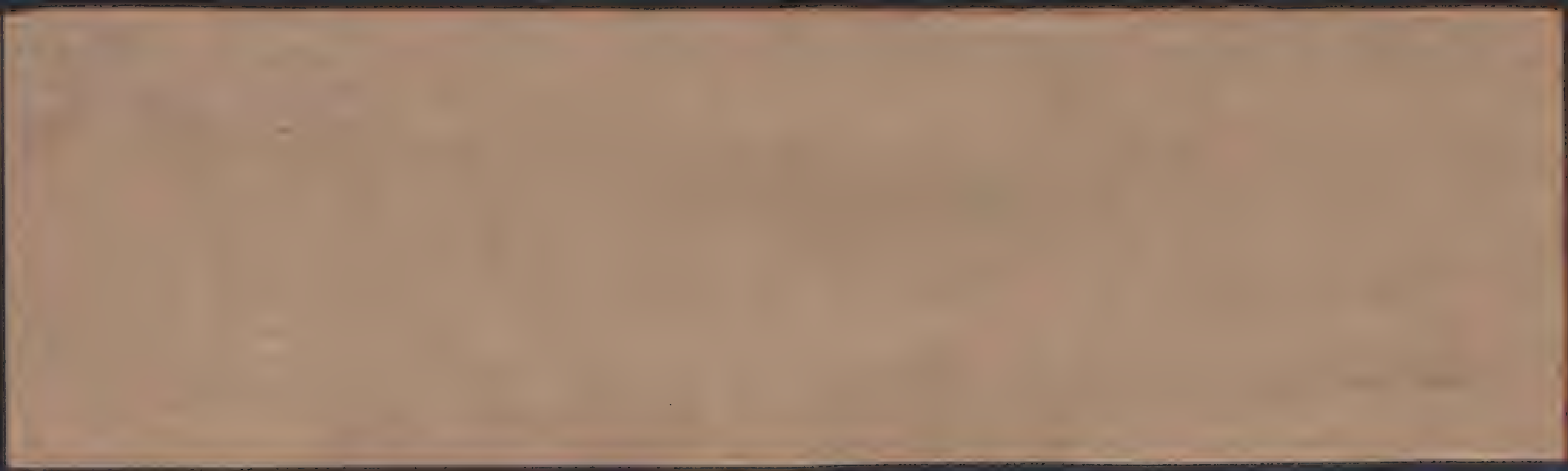
[The text in this image is extremely faded and illegible.]

卷之五

[illegible]

[illegible]





352

१॥ सुप्रसन्नचित्तमस्तु सर्वत्र ॥ सुप्रसन्नचित्तमस्तु सर्वत्र ॥
२॥ सुप्रसन्नचित्तमस्तु सर्वत्र ॥ सुप्रसन्नचित्तमस्तु सर्वत्र ॥
३॥ सुप्रसन्नचित्तमस्तु सर्वत्र ॥ सुप्रसन्नचित्तमस्तु सर्वत्र ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

༣༣། རྣམ་ཐུག་ ཡོན་
པོ་ལྟུང་། རིས་ཐོན་ལྟུང་པོ་
ལྟུང་ལྟུང་ལྟུང་ལྟུང་ལྟུང་
ལྟུང་ལྟུང་ལྟུང་ལྟུང་ལྟུང་



ཏཱ་ཤཱི་ལཱ་ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་
ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་
ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་
ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་ཤི་ལཱ་

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[The following section contains several lines of handwritten Tibetan script.]

[illegible]

[illegible]

אשר יצאנו ממצרים ונעלה אל ה' ונאמר
לפני ה' ונאמר לפני ה' ונאמר לפני ה'
לפני ה' ונאמר לפני ה' ונאמר לפני ה'
לפני ה' ונאמר לפני ה' ונאמר לפני ה'
לפני ה' ונאמר לפני ה' ונאמר לפני ה'
לפני ה' ונאמר לפני ה' ונאמר לפני ה'

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

Handwritten text in the right margin, likely a commentary or additional notes.

Main body of handwritten text, consisting of approximately 10 lines of dense script.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ सर्वदुःखहर्त्रे नमः ॥
सर्वपापहर्त्रे नमः ॥ सर्वसुखदायके नमः ॥
सर्वविघ्नहर्त्रे नमः ॥ सर्वसिद्धिदायके नमः ॥
सर्वकष्टहर्त्रे नमः ॥ सर्वसौख्यदायके नमः ॥
सर्वशोकहर्त्रे नमः ॥ सर्वसन्तोषदायके नमः ॥
सर्वदुःखहर्त्रे नमः ॥ सर्वसुखदायके नमः ॥
सर्वविघ्नहर्त्रे नमः ॥ सर्वसिद्धिदायके नमः ॥
सर्वकष्टहर्त्रे नमः ॥ सर्वसौख्यदायके नमः ॥
सर्वशोकहर्त्रे नमः ॥ सर्वसन्तोषदायके नमः ॥

[illegible]

221

३२। । अथ गतिः । अथ गतिः । अथ गतिः । अथ गतिः । अथ गतिः ।

卷之四
 四庫全書

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

五、

[Faint handwritten Devanagari script]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

མཁའ་བྱུང་དཔེ་རྒྱུ་ལོ་ནི་ཡིན། རྩེ་གཤམ་ལོ་ནི་ཡིན། སྐྱེ་སྐྱེ་ལོ་ནི་ཡིན།
ཆུ་ཕྱེ་ལོ་ནི་ཡིན། རྩེ་གཤམ་ལོ་ནི་ཡིན། སྐྱེ་སྐྱེ་ལོ་ནི་ཡིན། ཆུ་ཕྱེ་ལོ་ནི་ཡིན།
མཁའ་བྱུང་དཔེ་རྒྱུ་ལོ་ནི་ཡིན། རྩེ་གཤམ་ལོ་ནི་ཡིན། སྐྱེ་སྐྱེ་ལོ་ནི་ཡིན།
ཆུ་ཕྱེ་ལོ་ནི་ཡིན། རྩེ་གཤམ་ལོ་ནི་ཡིན། སྐྱེ་སྐྱེ་ལོ་ནི་ཡིན། ཆུ་ཕྱེ་ལོ་ནི་ཡིན།
མཁའ་བྱུང་དཔེ་རྒྱུ་ལོ་ནི་ཡིན། རྩེ་གཤམ་ལོ་ནི་ཡིན། སྐྱེ་སྐྱེ་ལོ་ནི་ཡིན།
ཆུ་ཕྱེ་ལོ་ནི་ཡིན། རྩེ་གཤམ་ལོ་ནི་ཡིན། སྐྱེ་སྐྱེ་ལོ་ནི་ཡིན། ཆུ་ཕྱེ་ལོ་ནི་ཡིན།

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

57

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, written in dark ink on aged, yellowish paper. The script is dense and flowing, characteristic of historical cursive. The text is enclosed within a rectangular border.

1
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, with some characters appearing to be in a different script or heavily stylized. The page is framed by a double-line border.]

1921年12月1日

170

འདི་ནི་རྒྱ་བོད་སྐད་ཀྱི་ཡི་གེ་རྩིས་པུ་མཆོད་པུ་ལྟ་བུ་ཞིག་ཏེ།

[illegible]

15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850.

卷之四

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐོར་གྱི་མཛན་པ་ལྟར་གྱི་ཕྱི་ལོ་

1931

ཐུགས་ཀྱི་ཕྱེད་པོ།

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1875

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

1221

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several horizontal lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line border.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । यत्किञ्चिदप्यहं कुरुष्वेति चेन्न त्रैलोक्ये
नान्यत्र शरणं विना । अथ भगवन् प्रसादात् । इत्युक्तम् । अथ भगवन् प्रसादात् ।
इत्युक्तम् । अथ भगवन् प्रसादात् । इत्युक्तम् । अथ भगवन् प्रसादात् । इत्युक्तम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

521

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۰۰

三

[illegible]

[Faint, illegible handwritten Tibetan script]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Tibetan, arranged in horizontal lines within a rectangular frame. The text is dense and appears to be a continuous passage. The script is cursive and characteristic of traditional Tibetan writing. The text is written in black ink on a light-colored background. The lines are closely spaced, and the overall layout is organized and neat. The text is enclosed in a simple rectangular border.

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

331

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

21

五

一

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

二

221

[illegible]

盛

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

321
[Illegible handwritten text in a single column, likely a manuscript page from a historical document.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्चनम् ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

外 國 人 員 之 在 華 經 商 者 均 須 領 有 華 商 領 事 官 發 給 之 領 事 護 照 方 可 在 華 經 商 其 領 事 護 照 之 發 給 須 經 華 商 領 事 官 之 簽 發 方 可 在 華 經 商 其 領 事 護 照 之 發 給 須 經 華 商 領 事 官 之 簽 發 方 可 在 華 經 商

འདི་ལྟར་བྱས་ནས་གསུངས་པ་དེ་མཁོ་བྱེད་ཀྱི་ཐབས་ཤིག་ཡིན།
ཕྱི་ལོ་འདི་ལྟར་བྱས་ནས་གསུངས་པ་དེ་མཁོ་བྱེད་ཀྱི་ཐབས་ཤིག་ཡིན།
ཕྱི་ལོ་འདི་ལྟར་བྱས་ནས་གསུངས་པ་དེ་མཁོ་བྱེད་ཀྱི་ཐབས་ཤིག་ཡིན།
ཕྱི་ལོ་འདི་ལྟར་བྱས་ནས་གསུངས་པ་དེ་མཁོ་བྱེད་ཀྱི་ཐབས་ཤིག་ཡིན།
ཕྱི་ལོ་འདི་ལྟར་བྱས་ནས་གསུངས་པ་དེ་མཁོ་བྱེད་ཀྱི་ཐབས་ཤིག་ཡིན།

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

47

331

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

35-10000

10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532

557755715

五言古詩

卷一百一十五

[illegible]

[Faint, illegible handwritten text]

内政部

1890

153

17

1551

五

[illegible]

33. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839.

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

231

031
[Illegible text]

(Faint handwritten text at the bottom)

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1001. 1001
 1002. 1002
 1003. 1003
 1004. 1004
 1005. 1005
 1006. 1006
 1007. 1007
 1008. 1008
 1009. 1009
 1010. 1010
 1011. 1011
 1012. 1012
 1013. 1013
 1014. 1014
 1015. 1015
 1016. 1016
 1017. 1017
 1018. 1018
 1019. 1019
 1020. 1020
 1021. 1021
 1022. 1022
 1023. 1023
 1024. 1024
 1025. 1025
 1026. 1026
 1027. 1027
 1028. 1028
 1029. 1029
 1030. 1030
 1031. 1031
 1032. 1032
 1033. 1033
 1034. 1034
 1035. 1035
 1036. 1036
 1037. 1037
 1038. 1038
 1039. 1039
 1040. 1040
 1041. 1041
 1042. 1042
 1043. 1043
 1044. 1044
 1045. 1045
 1046. 1046
 1047. 1047
 1048. 1048
 1049. 1049
 1050. 1050
 1051. 1051
 1052. 1052
 1053. 1053
 1054. 1054
 1055. 1055
 1056. 1056
 1057. 1057
 1058. 1058
 1059. 1059
 1060. 1060
 1061. 1061
 1062. 1062
 1063. 1063
 1064. 1064
 1065. 1065
 1066. 1066
 1067. 1067
 1068. 1068
 1069. 1069
 1070. 1070
 1071. 1071
 1072. 1072
 1073. 1073
 1074. 1074
 1075. 1075
 1076. 1076
 1077. 1077
 1078. 1078
 1079. 1079
 1080. 1080
 1081. 1081
 1082. 1082
 1083. 1083
 1084. 1084
 1085. 1085
 1086. 1086
 1087. 1087
 1088. 1088
 1089. 1089
 1090. 1090
 1091. 1091
 1092. 1092
 1093. 1093
 1094. 1094
 1095. 1095
 1096. 1096
 1097. 1097
 1098. 1098
 1099. 1099
 1100. 1100

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a script, possibly Tibetan or Sanskrit, arranged in multiple lines within a rectangular frame. The text is dense and appears to be a transcription of a longer work.

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ वाङ्मनसस्त्वयं वाङ्मनसः ॥

འདི་ལྟར་བཤད་པ་དེ་ཕྱི་དུང་པོ་ལྔ་དང་གཅིག་ཀྱང་ཡོད་ན་འདྲ་བའི་དུང་པོ་ལྔ་གཅིག་ཀྱང་ལས་

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line border.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

59

1327

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

101
[Faded handwritten text in a single line, likely a list or a continuous passage in an ancient script.]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Indic, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The text is written in a dark ink on a light-colored background.

וְהָיָה כִּי יֵרָאֶה אֲנִי
 אֶתְכֶם וְשַׁלַּחְתִּי
 אֶת־עוֹדְמִי וְאֶת־בְּרִיתִי
 בֵּין אֲנִי וְכָל־בְּנֵי
 יִשְׂרָאֵל וְהָיָה כִּי
 יֵרָאֶה אֲנִי וְשַׁלַּחְתִּי
 אֶת־עוֹדְמִי וְאֶת־בְּרִיתִי
 בֵּין אֲנִי וְכָל־בְּנֵי
 יִשְׂרָאֵל וְהָיָה כִּי יֵרָאֶה
 אֲנִי וְשַׁלַּחְתִּי אֶת־עוֹדְמִי
 וְאֶת־בְּרִיתִי בֵּין אֲנִי וְכָל־בְּנֵי
 יִשְׂרָאֵל וְהָיָה כִּי יֵרָאֶה אֲנִי
 וְשַׁלַּחְתִּי אֶת־עוֹדְמִי וְאֶת־בְּרִיתִי
 בֵּין אֲנִי וְכָל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

[illegible]



1521

五

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཨོཾ། །མཐུང་ཡིན་གོ། དེ་ལྟར་བྱ་རུ་བཞུགས་པ་ལ་རྟོགས་ཀྱི་བར་དུ་མི་མེད་པ་ལ་མཐུང་། མཐུང་།
ཅིག་ཅན་དེ་ལྟར་མེད་པ་ཅི་མེད་ལ་བྱ་རུ་བཞུགས་པ་ལ་རྟོགས་ཀྱི་བར་དུ་མི་མེད་པ་ལ་མཐུང་། མཐུང་།
དགོས་པ་ཅི་ལྟར་བྱ་རུ་བཞུགས་པ་ལ་རྟོགས་ཀྱི་བར་དུ་མི་མེད་པ་ལ་མཐུང་། མཐུང་།
ཡི་མེད་པ་ཅི་ལྟར་བྱ་རུ་བཞུགས་པ་ལ་རྟོགས་ཀྱི་བར་དུ་མི་མེད་པ་ལ་མཐུང་། མཐུང་།
ཡི་མེད་པ་ཅི་ལྟར་བྱ་རུ་བཞུགས་པ་ལ་རྟོགས་ཀྱི་བར་དུ་མི་མེད་པ་ལ་མཐུང་། མཐུང་།
ཡི་མེད་པ་ཅི་ལྟར་བྱ་རུ་བཞུགས་པ་ལ་རྟོགས་ཀྱི་བར་དུ་མི་མེད་པ་ལ་མཐུང་། མཐུང་།

[illegible]

501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636
 637
 638
 639
 640
 641
 642
 643
 644
 645
 646
 647
 648
 649
 650
 651
 652
 653
 654
 655
 656
 657
 658
 659
 660
 661
 662
 663
 664
 665
 666
 667
 668
 669
 670
 671
 672
 673
 674
 675
 676
 677
 678
 679
 680
 681
 682
 683
 684
 685
 686
 687
 688
 689
 690
 691
 692
 693
 694
 695
 696
 697
 698
 699
 700
 701
 702
 703
 704
 705
 706
 707
 708
 709
 710
 711
 712
 713
 714
 715
 716
 717
 718
 719
 720
 721
 722
 723
 724
 725
 726
 727
 728
 729
 730
 731
 732
 733
 734
 735
 736
 737
 738
 739
 740
 741
 742
 743
 744
 745
 746
 747
 748
 749
 750
 751
 752
 753
 754
 755
 756
 757
 758
 759
 760
 761
 762
 763
 764
 765
 766
 767
 768
 769
 770
 771
 772
 773
 774
 775
 776
 777
 778
 779
 780
 781
 782
 783
 784
 785
 786
 787
 788
 789
 790
 791
 792
 793
 794
 795
 796
 797
 798
 799
 800
 801
 802
 803
 804
 805
 806
 807
 808
 809
 810
 811
 812
 813
 814
 815
 816
 817
 818
 819
 820
 821
 822
 823
 824
 825
 826
 827
 828
 829
 830
 831
 832
 833
 834
 835
 836
 837
 838
 839
 840
 841
 842
 843
 844
 845
 846
 847
 848
 849
 850
 851
 852
 853
 854
 855
 856
 857
 858
 859
 860
 861
 862
 863
 864
 865
 866
 867
 868
 869
 870
 871
 872
 873
 874
 875
 876
 877
 878
 879
 880
 881
 882
 883
 884
 885
 886
 887
 888
 889
 890
 891
 892
 893
 894
 895
 896
 897
 898
 899
 900
 901
 902
 903
 904
 905
 906
 907
 908
 909
 910
 911
 912
 913
 914
 915
 916
 917
 918
 919
 920
 921
 922
 923
 924
 925
 926
 927
 928
 929
 930
 931
 932
 933
 934
 935
 936
 937
 938
 939
 940
 941
 942
 943
 944
 945
 946
 947
 948
 949
 950
 951
 952
 953
 954
 955
 956
 957
 958
 959
 960
 961
 962
 963
 964
 965
 966
 967
 968
 969
 970
 971
 972
 973
 974
 975
 976
 977
 978
 979
 980
 981
 982
 983
 984
 985
 986
 987
 988
 989
 990
 991
 992
 993
 994
 995
 996
 997
 998
 999
 1000

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवाः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि
 त्वामाकाशतो विप्रोक्तवान् ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अर्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्मातुल्य ॥
 कुरुक्षेत्रे भक्ष्यं देवाय च यतनम् ॥
 दत्तं त्वं हि भिक्षुं देवाय च यतनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्मातुल्य ॥
 कुरुक्षेत्रे भक्ष्यं देवाय च यतनम् ॥
 दत्तं त्वं हि भिक्षुं देवाय च यतनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्मातुल्य ॥
 कुरुक्षेत्रे भक्ष्यं देवाय च यतनम् ॥
 दत्तं त्वं हि भिक्षुं देवाय च यतनम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

227

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

ཕྱི་རྒྱལ་གྱི་སྐད་ཀྱི་འབྲེལ་ཆུང་། རྒྱ་ནག་གི་སྐད་ཀྱི་འབྲེལ་ཆུང་།

[illegible][illegible]

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐོར་གྱི་མཛན་པ་ལྟར་གྱི་ཕྱི་ལོ་ལྷན་སྐྱེལ་གྱི་ཁྱེད་ཀྱི་མཛན་པ་ལྟར་གྱི་ཕྱི་ལོ་ལྷན་སྐྱེལ་གྱི་

[Faint, illegible handwritten text across the page]

[illegible]

[illegible]

612

157

འཕྲིན་པ་རྒྱུ་ལྟར་ལས། ལས་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་ལས་ལྟར། འཕྲིན་པ་རྒྱུ་ལྟར་ལས། ལས་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་ལས་ལྟར།

[illegible]

W

[Faint handwritten text in Devanagari script]

張

[Faint, illegible handwritten text]

3

卷之四
 詩經
 卷之五
 楚辭
 卷之六
 漢書
 卷之七
 後漢書
 卷之八
 三國志
 卷之九
 晉書
 卷之十
 宋書
 卷之十一
 南齊書
 卷之十二
 梁書
 卷之十三
 陳書
 卷之十四
 魏書
 卷之十五
 北齊書
 卷之十六
 周書
 卷之十七
 隋書
 卷之十八
 唐書
 卷之十九
 五代史
 卷之二十
 宋史
 卷之二十一
 元史
 卷之二十二
 明史
 卷之二十三
 清史
 卷之二十四
 欽定四庫全書
 卷之二十五
 欽定四庫全書
 卷之二十六
 欽定四庫全書
 卷之二十七
 欽定四庫全書
 卷之二十八
 欽定四庫全書
 卷之二十九
 欽定四庫全書
 卷之三十
 欽定四庫全書
 卷之三十一
 欽定四庫全書
 卷之三十二
 欽定四庫全書
 卷之三十三
 欽定四庫全書
 卷之三十四
 欽定四庫全書
 卷之三十五
 欽定四庫全書
 卷之三十六
 欽定四庫全書
 卷之三十七
 欽定四庫全書
 卷之三十八
 欽定四庫全書
 卷之三十九
 欽定四庫全書
 卷之四十
 欽定四庫全書
 卷之四十一
 欽定四庫全書
 卷之四十二
 欽定四庫全書
 卷之四十三
 欽定四庫全書
 卷之四十四
 欽定四庫全書
 卷之四十五
 欽定四庫全書
 卷之四十六
 欽定四庫全書
 卷之四十七
 欽定四庫全書
 卷之四十八
 欽定四庫全書
 卷之四十九
 欽定四庫全書
 卷之五十
 欽定四庫全書
 卷之五十一
 欽定四庫全書
 卷之五十二
 欽定四庫全書
 卷之五十三
 欽定四庫全書
 卷之五十四
 欽定四庫全書
 卷之五十五
 欽定四庫全書
 卷之五十六
 欽定四庫全書
 卷之五十七
 欽定四庫全書
 卷之五十八
 欽定四庫全書
 卷之五十九
 欽定四庫全書
 卷之六十
 欽定四庫全書
 卷之六十一
 欽定四庫全書
 卷之六十二
 欽定四庫全書
 卷之六十三
 欽定四庫全書
 卷之六十四
 欽定四庫全書
 卷之六十五
 欽定四庫全書
 卷之六十六
 欽定四庫全書
 卷之六十七
 欽定四庫全書
 卷之六十八
 欽定四庫全書
 卷之六十九
 欽定四庫全書
 卷之七十
 欽定四庫全書
 卷之七十一
 欽定四庫全書
 卷之七十二
 欽定四庫全書
 卷之七十三
 欽定四庫全書
 卷之七十四
 欽定四庫全書
 卷之七十五
 欽定四庫全書
 卷之七十六
 欽定四庫全書
 卷之七十七
 欽定四庫全書
 卷之七十八
 欽定四庫全書
 卷之七十九
 欽定四庫全書
 卷之八十
 欽定四庫全書
 卷之八十一
 欽定四庫全書
 卷之八十二
 欽定四庫全書
 卷之八十三
 欽定四庫全書
 卷之八十四
 欽定四庫全書
 卷之八十五
 欽定四庫全書
 卷之八十六
 欽定四庫全書
 卷之八十七
 欽定四庫全書
 卷之八十八
 欽定四庫全書
 卷之八十九
 欽定四庫全書
 卷之九十
 欽定四庫全書
 卷之九十一
 欽定四庫全書
 卷之九十二
 欽定四庫全書
 卷之九十三
 欽定四庫全書
 卷之九十四
 欽定四庫全書
 卷之九十五
 欽定四庫全書
 卷之九十六
 欽定四庫全書
 卷之九十七
 欽定四庫全書
 卷之九十八
 欽定四庫全書
 卷之九十九
 欽定四庫全書
 卷之一百
 欽定四庫全書

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

501

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]



3370

| | | | | |
|--|---|----|---|--|
| | 卷 | 目錄 | 卷 | |
| | 三 | 目錄 | 三 | |
| | 三 | 目錄 | 三 | |



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

三

[illegible]

五

卷之二

— 26 —

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रं कुरु सर्वदा ॥
सर्वकलहहर्त्रं कुरु सर्वदा ॥
सर्वप्रेमप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वशान्तिप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसुखप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसौख्यप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसमृद्धिप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसिद्धिप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसम्पत्प्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसौभाग्यप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसौख्यप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसुखप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वशान्तिप्रदं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रं कुरु सर्वदा ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

100. ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विष्णुपदं पद्मं च ।
नमस्कृत्य शिरसा । ध्यायेत्तदा महात्मना ।
विष्णुर्हृदि निवेश्य । तस्मात्कुरुते सुखम् ।
विष्णुर्हृदि निवेश्य । तस्मात्कुरुते सुखम् ।
विष्णुर्हृदि निवेश्य । तस्मात्कुरुते सुखम् ।
विष्णुर्हृदि निवेश्य । तस्मात्कुरुते सुखम् ।
विष्णुर्हृदि निवेश्य । तस्मात्कुरुते सुखम् ।

[illegible]

[illegible]

921 । विष्णवे नमः । इन्द्राय नमः । सूर्याय नमः । शिवाय नमः ।
ब्रह्माय नमः । अग्नये नमः । वायवे नमः । अप्सराय नमः ।
सुर्याय नमः । अश्विन्याय नमः । अर्जुनाय नमः ।
विष्णवे नमः । इन्द्राय नमः । सूर्याय नमः । शिवाय नमः ।
ब्रह्माय नमः । अग्नये नमः । वायवे नमः । अप्सराय नमः ।
सुर्याय नमः । अश्विन्याय नमः । अर्जुनाय नमः ।
विष्णवे नमः । इन्द्राय नमः । सूर्याय नमः । शिवाय नमः ।
ब्रह्माय नमः । अग्नये नमः । वायवे नमः । अप्सराय नमः ।

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[Faint handwritten Tibetan script]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is written in black ink on aged paper. It appears to be a religious or philosophical text, possibly a sutra or a commentary. The handwriting is somewhat faded and there are some stains on the paper.

157

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

金

卷之四

卷之四

[illegible]

རྒྱལ་བའི་མཆོད་མོས་དྲན་བཟོད་ཕྱག་མཆོད་ལ་བུས། །ད་ཕྱག་གིས་རྒྱ་མཚོ་
ཡོད་པའི་བྱེད་ལྟུང་བ། །འཕྲུལ་མེད་བདེན་པའི་གསུང་གིས་ཁལ་གཤིས་པའི་གྲ། །བདུ་ལ་བདེན་པ་མེད་པའི་སྐྱེས་
བུ་ལྟ་བུ་གསལ། །མེད་ཅེས་ལྟ་བུ་མཆོད་པར་གསུང་བའི་དཔལ་ལ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ། །མཆོད་དོ་
མཆོད་པ་སྐྱེས་མཆོད། །འཕྲུལ་མེད་ལྟ་བུ་མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ། །མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ། །མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ།
མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ། །མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ། །མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ། །མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ།
མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ། །མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ། །མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ། །མཆོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Tibetan script]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

159

འཇིགས་པར་བྱེད་ཀྱིས་མཁོན་པོ་ལྟོང་། འཇིགས་པར་བྱེད་ཀྱིས་མཁོན་པོ་ལྟོང་།

[illegible]

X-REF: 10/10 X-REF

卷之五

पुनः प्रवृत्तः पुनः प्रवृत्तः पुनः प्रवृत्तः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

227

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line border.

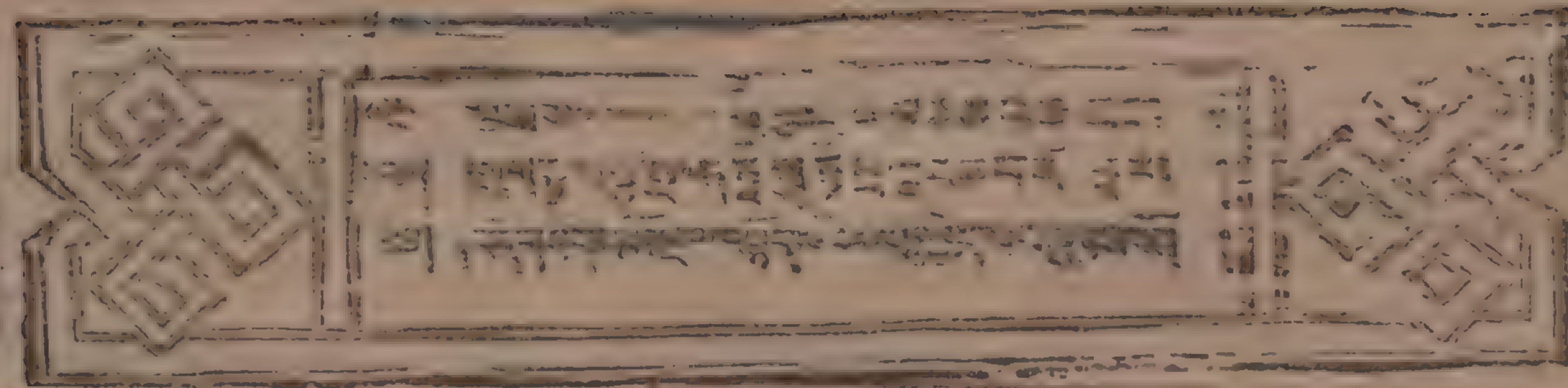
ཨོཾ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་
ཨོཾ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་
ཨོཾ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་



ཨོཾ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་
ཨོཾ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་
ཨོཾ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་

ཨོཾ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་ ཨཱམ་





LIBRARY OF TIBETAN WORKS & ARCHIVES
DHARMSALA.

卷之四

२३२। विष्णुसहस्रनामम् ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

卷之四

522

[illegible]

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

507

901
[Illegible handwritten text]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line border.

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

卷之六

卷之四

...

10

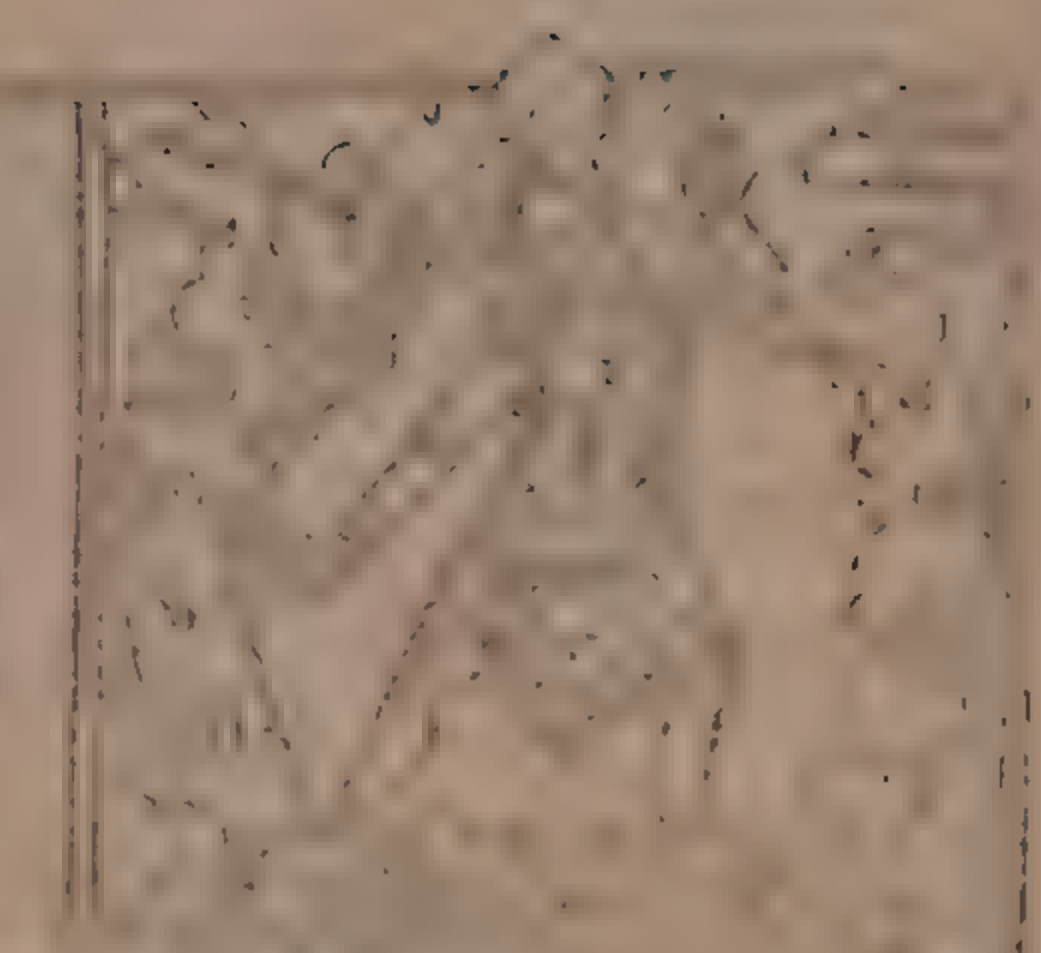
[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense, handwritten text in a cursive script, likely Tibetan or Sanskrit. The text is arranged in horizontal lines across the page. Due to the low resolution and age of the document, the specific characters are difficult to decipher.]

3880

3880

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

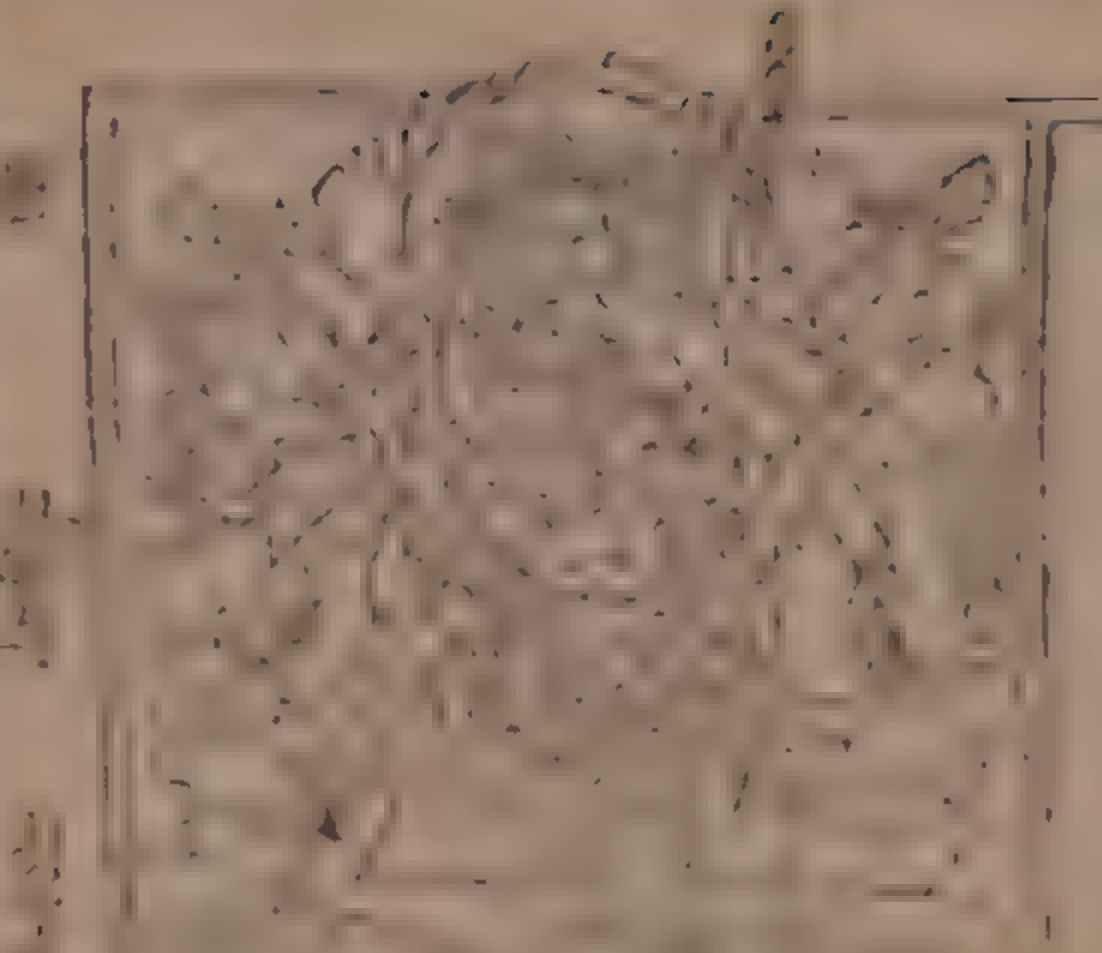
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Handwritten text in the left margin, likely a commentary or a separate entry.

Handwritten text in the central column, consisting of several lines of script.

Handwritten text in the right margin, continuing the commentary or providing additional information.

[illegible]

[The following section contains several lines of extremely faint, illegible handwritten text.]

57

151

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

18. | 19. | 20. | 21. | 22. | 23. | 24. | 25. | 26. | 27. | 28. | 29. | 30. | 31. | 32. | 33. | 34. | 35. | 36. | 37. | 38. | 39. | 40. | 41. | 42. | 43. | 44. | 45. | 46. | 47. | 48. | 49. | 50. | 51. | 52. | 53. | 54. | 55. | 56. | 57. | 58. | 59. | 60. | 61. | 62. | 63. | 64. | 65. | 66. | 67. | 68. | 69. | 70. | 71. | 72. | 73. | 74. | 75. | 76. | 77. | 78. | 79. | 80. | 81. | 82. | 83. | 84. | 85. | 86. | 87. | 88. | 89. | 90. | 91. | 92. | 93. | 94. | 95. | 96. | 97. | 98. | 99. | 100. | 101. | 102. | 103. | 104. | 105. | 106. | 107. | 108. | 109. | 110. | 111. | 112. | 113. | 114. | 115. | 116. | 117. | 118. | 119. | 120. | 121. | 122. | 123. | 124. | 125. | 126. | 127. | 128. | 129. | 130. | 131. | 132. | 133. | 134. | 135. | 136. | 137. | 138. | 139. | 140. | 141. | 142. | 143. | 144. | 145. | 146. | 147. | 148. | 149. | 150. | 151. | 152. | 153. | 154. | 155. | 156. | 157. | 158. | 159. | 160. | 161. | 162. | 163. | 164. | 165. | 166. | 167. | 168. | 169. | 170. | 171. | 172. | 173. | 174. | 175. | 176. | 177. | 178. | 179. | 180. | 181. | 182. | 183. | 184. | 185. | 186. | 187. | 188. | 189. | 190. | 191. | 192. | 193. | 194. | 195. | 196. | 197. | 198. | 199. | 200. | 201. | 202. | 203. | 204. | 205. | 206. | 207. | 208. | 209. | 210. | 211. | 212. | 213. | 214. | 215. | 216. | 217. | 218. | 219. | 220. | 221. | 222. | 223. | 224. | 225. | 226. | 227. | 228. | 229. | 230. | 231. | 232. | 233. | 234. | 235. | 236. | 237. | 238. | 239. | 240. | 241. | 242. | 243. | 244. | 245. | 246. | 247. | 248. | 249. | 250. | 251. | 252. | 253. | 254. | 255. | 256. | 257. | 258. | 259. | 260. | 261. | 262. | 263. | 264. | 265. | 266. | 267. | 268. | 269. | 270. | 271. | 272. | 273. | 274. | 275. | 276. | 277. | 278. | 279. | 280. | 281. | 282. | 283. | 284. | 285. | 286. | 287. | 288. | 289. | 290. | 291. | 292. | 293. | 294. | 295. | 296. | 297. | 298. | 299. | 300. | 301. | 302. | 303. | 304. | 305. | 306. | 307. | 308. | 309. | 310. | 311. | 312. | 313. | 314. | 315. | 316. | 317. | 318. | 319. | 320. | 321. | 322. | 323. | 324. | 325. | 326. | 327. | 328. | 329. | 330. | 331. | 332. | 333. | 334. | 335. | 336. | 337. | 338. | 339. | 340. | 341. | 342. | 343. | 344. | 345. | 346. | 347. | 348. | 349. | 350. | 351. | 352. | 353. | 354. | 355. | 356. | 357. | 358. | 359. | 360. | 361. | 362. | 363. | 364. | 365. | 366. | 367. | 368. | 369. | 370. | 371. | 372. | 373. | 374. | 375. | 376. | 377. | 378. | 379. | 380. | 381. | 382. | 383. | 384. | 385. | 386. | 387. | 388. | 389. | 390. | 391. | 392. | 393. | 394. | 395. | 396. | 397. | 398. | 399. | 400. | 401. | 402. | 403. | 404. | 405. | 406. | 407. | 408. | 409. | 410. | 411. | 412. | 413. | 414. | 415. | 416. | 417. | 418. | 419. | 420. | 421. | 422. | 423. | 424. | 425. | 426. | 427. | 428. | 429. | 430. | 431. | 432. | 433. | 434. | 435. | 436. | 437. | 438. | 439. | 440. | 441. | 442. | 443. | 444. | 445. | 446. | 447. | 448. | 449. | 450. | 451. | 452. | 453. | 454. | 455. | 456. | 457. | 458. | 459. | 460. | 461. | 462. | 463. | 464. | 465. | 466. | 467. | 468. | 469. | 470. | 471. | 472. | 473. | 474. | 475. | 476. | 477. | 478. | 479. | 480. | 481. | 482. | 483. | 484. | 485. | 486. | 487. | 488. | 489. | 490. | 491. | 492. | 493. | 494. | 495. | 496. | 497. | 498. | 499. | 500. | 501. | 502. | 503. | 504. | 505. | 506. | 507. | 508. | 509. | 510. | 511. | 512. | 513. | 514. | 515. | 516. | 517. | 518. | 519. | 520. | 521. | 522. | 523. | 524. | 525. | 526. | 527. | 528. | 529. | 530. | 531. | 532. | 533. | 534. | 535. | 536. | 537. | 538. | 539. | 540. | 541. | 542. | 543. | 544. | 545. | 546. | 547. | 548. | 549. | 550. | 551. | 552. | 553. | 554. | 555. | 556. | 557. | 558. | 559. | 560. | 561. | 562. | 563. | 564. | 565. | 566. | 567. | 568. | 569. | 570. | 571. | 572. | 573. | 574. | 575. | 576. | 577. | 578. | 579. | 580. | 581. | 582. | 583. | 584. | 585. | 586. | 587. | 588. | 589. | 590. | 591. | 592. | 593. | 594. | 595. | 596. | 597. | 598. | 599. | 600. | 601. | 602. | 603. | 604. | 605. | 606. | 607. | 608. | 609. | 610. | 611. | 612. | 613. | 614. | 615. | 616. | 617. | 618. | 619. | 620. | 621. | 622. | 623. | 624. | 625. | 626. | 627. | 628. | 629. | 630. | 631. | 632. | 633. | 634. | 635. | 636. | 637. | 638. | 639. | 640. | 641. | 642. | 643. | 644. | 645. | 646. | 647. | 648. | 649. | 650. | 651. | 652. | 653. | 654. | 655. | 656. | 657. | 658. | 659. | 660. | 661. | 662. | 663. | 664. | 665. | 666. | 667. | 668. | 669. | 670. | 671. | 672. | 673. | 674. | 675. | 676. | 677. | 678. | 679. | 680. | 681. | 682. | 683. | 684. | 685. | 686. | 687. | 688. | 689. | 690. | 691. | 692. | 693. | 694. | 695. | 696. | 697. | 698. | 699. | 700. | 701. | 702. | 703. | 704. | 705. | 706. | 707. | 708. | 709. | 710. | 711. | 712. | 713

सुप्रसन्नः । प्रहसन्कृतुं न शक्नुते । विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते ।
नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते ।
विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते ।
नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते ।
विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते ।
नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते ।
विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ विद्वत्पुत्रोऽपि न शक्नुते ।
नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते । अथ नृपतिपुत्रोऽपि न शक्नुते ।

[illegible]

[illegible]

12

19

विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु

འདྲི་བ་རྒྱུ་ལྟོགས་པའི་མཛན་པ་ཡི་ཕྱི་ཤིང་། རྒྱུ་ལྟོགས་པའི་མཛན་པ་ཡི་ཕྱི་ཤིང་།

藥

716 1912 1913 1914 1915 1916 1917 1918 1919 1920 1921 1922 1923 1924 1925 1926 1927 1928 1929 1930 1931 1932 1933 1934 1935 1936 1937 1938 1939 1940 1941 1942 1943 1944 1945 1946 1947 1948 1949 1950 1951 1952 1953 1954 1955 1956 1957 1958 1959 1960 1961 1962 1963 1964 1965 1966 1967 1968 1969 1970 1971 1972 1973 1974 1975 1976 1977 1978 1979 1980 1981 1982 1983 1984 1985 1986 1987 1988 1989 1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698 2699 2700 2701 2702 2703 2704 2705 2706 2707 2708 2709 2710 2711 2712 2713 2714 2715 2716 2717 2718 2719 2720 2721 2722 2723 2724 2725 2726 2727 2728 2729

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्चनम् ।

卷八

॥ श्रीगुरुदेवार्पणं नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विष्णुपदविष्णुपदं ध्यात्वा । विष्णुपदं नमस्कृत्य ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12

251

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

1507

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། ར་ཁྱིམ་ལ་མཛུས་པ་ལུ་མ་ཐུམ་མཛུ་ཏེ། འདས་ཅན་ལ་ལུ་ཤེད་ལུ་
ལུ་མཛུ་ཏེ། འདས་ཅན་ལུ་ལུ་ཤེད་ལུ་མཛུ་ཏེ། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འདས་ཅན་ལུ་ལུ་ཤེད་ལུ་
ལུ་མཛུ་ཏེ། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་།
འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་།
འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་།
འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་།
འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་། འཕྲུལ་ཆོའི་ལུ་ཤེད་མཛོད་།

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

59

三

1541

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विष्णुसहस्रनाम ॥

三

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुष्पमयमण्डपः

五

འཕེལ་ཆོད་ཀྱི་མཁའ་མཛོད་ཀྱི་ཆོས་

1924

卷之四

[illegible]

1

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐོར་གྱི་མཛན་པ།

卷之四

303

3880

| | | | |
|--|-----|-------------------------------|--|
| | 207 | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥ | |
|--|-----|-------------------------------|--|

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥

Ch. 10. Statistics

3881

Library of Theological Studies

DIA. ASALA.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ཨོཾ། བྱེད་ཀྱིས་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་། ཆོ་འདོད་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་།
 བྱེད་ཀྱིས་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་།
 ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་།
 ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་།



ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་།

ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་ལྷ་མ་མཐོང་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

121

122

123

121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

འཇིགས་པ་

འཇིགས་པ་

འཇིགས་པ་

༢༡

།དང་ལམ་གྱི་ཕ་མ་ལུ་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་། །དགོན་ལུ་ཆོས་ལུ་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་དང་ལམ་ལྟ་བུ་།
ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་། །ལམ་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ལམ་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །དགོན་ལུ་ཆོས་ལུ་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་།
ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །དགོན་ལུ་ཆོས་ལུ་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །དགོན་ལུ་ཆོས་ལུ་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་།
ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་།
ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་།
ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་། །ཆོས་དང་ཐོ་བྱ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་།

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]



一

62

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

1207

五

अथवा

275

卷四

॥ ५५ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

227

[illegible]

五

卷之五

10

[illegible]

227

[illegible]

[illegible]



卷之四

642

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Class Name

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

UNIVERSITY OF THE SOUTH ALABAMA

DIANASALA.

月
日
日

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

8

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

一

三

[illegible]

[illegible]

ཐུང་བཙུག་པས་ཉམ་ཐག་པའི་སེམས་ཅན་མ་གྲོ་ལ་བརྒྱུ་མཁུ་བྱིས་པ་ལྟར་ཐུང་བཙུག་པ་པར་ཐུང་ལ་ལོན་པ་དང་། རང་གི་བདེ་དགོ་ག་ཞེས་
ལ་གཏོང་ཚུ་ལ་སྒྲུ་མའི་མན་དག་ལས་འབྱུང་བའི་དམིགས་པ་དང་བཅས་། བདག་ལ་དེ་དག་སྒྲིག་ཞི་བྱ་ཅིང་། །བདག་དགོ་མ་ལྟར་
དེ་མྱིན་ཤོག་ ཁྱིམ་ལ་ལྟ་གསུམ་དང་། དེས་ལྟ་ཆེ་བུ་ན་སྒྲིག་ལྟ་གསུམ་སྤེལ་། མཐར་ཐུག་པར་གྱི་བའི་སྒྲིག་ལྟ་གསུམ་ལྟ་
གསུམ་། མཐུས་ད་ཉི་བདག་ལ་སྒྲིག་པ་དང་། །བདག་གི་བདེ་དགོ་ག་ཞེས་ལ་བཏང་བ་ལས་། །འབྲེལ་བྱུང་བདེ་དགོ་སྒྲིག་
པར་བྱིན་གྱིས་ཞོ་བས་། །ཞེས་བཟོད་། ལྟོད་ཐུང་སྒྲིག་པའི་འབྲས་བུས་ཡོངས་གང་སྒྲིག་། །ཞི་བདེ་དུས་ལྟ་གསུམ་ལ་མཐར་
ཐུག་བཙུག་ཐུག་ཐུང་། །ལས་དན་འབྲས་བུ་བདེ་བྱིན་ལ་ཕོད་ལས་། །ཁྱིམ་དན་ལ་ལྟ་གསུམ་ལ་ཕོད་ལས་། །ཁྱིམ་དན་ལ་ལྟ་གསུམ་ལ་ཕོད་ལས་།

[illegible]

གྲོལ་བྱེད་བརྟན་པོའི་གཟིངས་བྱུང་ཅིག། འཛིགས་ཀྱིས་སྒྲུབ་ཀྱི་ཆེན་པོ་ཆེ་ཡི། རིམ་མཉམ་ནས་དྲུག་པོས་བཅའ་སྤྲོད་པ་ལ།
 འོན་མེད་སྐྱོན་ལྡན་པའི་བྱེད་པོ། ལྷན་པའི་ལཱ་ཆེན་ལྟ་བུ་བདག་བྱུང་ཅིག། བདག་གི་དྲུག་པོར་ཡོད་སྐྱོན་ལས་
 ལ། འདོད་དུ་བྱུང་བའི་གཏེར་ཆེན་དང་། གཏེན་དང་བྲལ་བས་བཀྱེད་སྐྱོན་ལས་ཀྱི། གཏེན་དང་བཤེས་
 སྤེངས་བྱུང་ཅིག། བདག་བྱུང་ཆེར་བས་བྲལ་སྐྱོན་ཅད་དུ། དལ་འབྱོར་རྟེན་བཟང་དག་བའི་བཤེས་། ཡིད་བཞིན་
 རྒྱུ་བྱུ་བྱི་བོར་བྱོར། ཤོས་བསལ་སྒྲུབ་པའི་བྱུང་ལྷན་ལས་ནས། ལྷན་ལས་ལྷིང་དུ་བྱེན་བྱུང་ཅིག། ཅིས་དང་།
 འདི་ལྟ་རལ་ཆོད་བྱེན་བཅུས་པའི་བསོད་ནམས་ཀྱིས། བདག་དང་འབྲེལ་ཀྱན་འཁོར་ལོ་བཞི་ལྟར་བྱི། དལ་

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा
सर्वकलहहर्त्रा सर्वद्वन्द्वहर्त्रा



सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा
सर्वकलहहर्त्रा सर्वद्वन्द्वहर्त्रा
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा
सर्वकलहहर्त्रा सर्वद्वन्द्वहर्त्रा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं हि जगत्पुत्राय नमः ॥
सुखं हि जगत्पुत्राय नमः ॥
सुखं हि जगत्पुत्राय नमः ॥

[illegible]

229

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

Handwritten text in a cursive script, likely Hebrew, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and flowing, with many ligatures and varying line heights. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text appears to be a continuous passage, possibly a religious or historical document.

291

291
[Faint handwritten text in Tibetan script]

[illegible]

[The following section contains several lines of handwritten Tibetan script.]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is dense and appears to be a continuous passage, possibly a chapter or section heading followed by descriptive text. The ink is dark brown/black on aged paper.

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The script is dense and fills most of the frame.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Tibetan or a related language, and is organized into several lines. The script is dense and fills most of the rectangular area.

[illegible]

155
[Faint, illegible handwritten text in a rectangular frame]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is organized into several lines, with some lines starting with a vertical line, possibly indicating a new section or entry. The script is dense and difficult to decipher due to its cursive nature and the age of the document.

This image shows a blank, aged, cream-colored page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a slightly textured appearance with some faint horizontal lines and minor discoloration or foxing, characteristic of old paper. The page is framed by a dark border, possibly the book's binding or the edge of the scanner.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The script is dense and fills most of the frame.

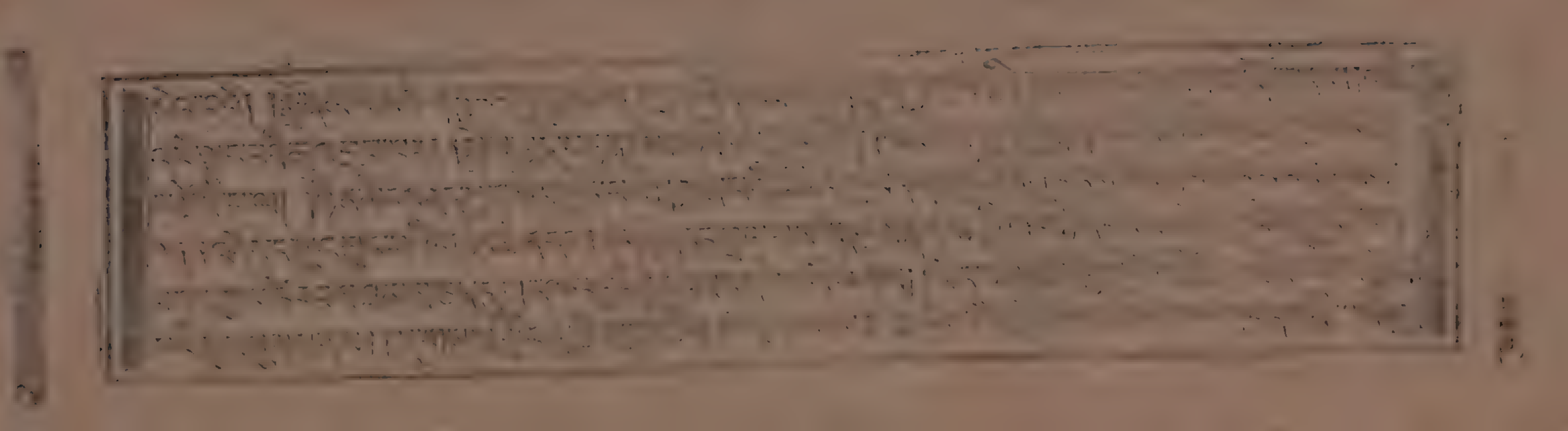
Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line border.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several columns and rows. The handwriting is dense and fills most of the frame.



321

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is organized into several lines, with some lines starting with a vertical line, possibly indicating a new section or entry. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

26

Handwritten text in a cursive script, likely a letter or document, enclosed in a rectangular border. The text is written in a dark ink on a light-colored paper. The script is dense and fills most of the page area within the border.

| | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
| 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 |
| 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |
| 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 |
| 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 |
| 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 |
| 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |

THE
LIBRARY OF THE
UNIVERSITY OF CHICAGO
PRESS

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS
1215 EAST 58TH STREET
CHICAGO, ILL. 60637
U.S.A.

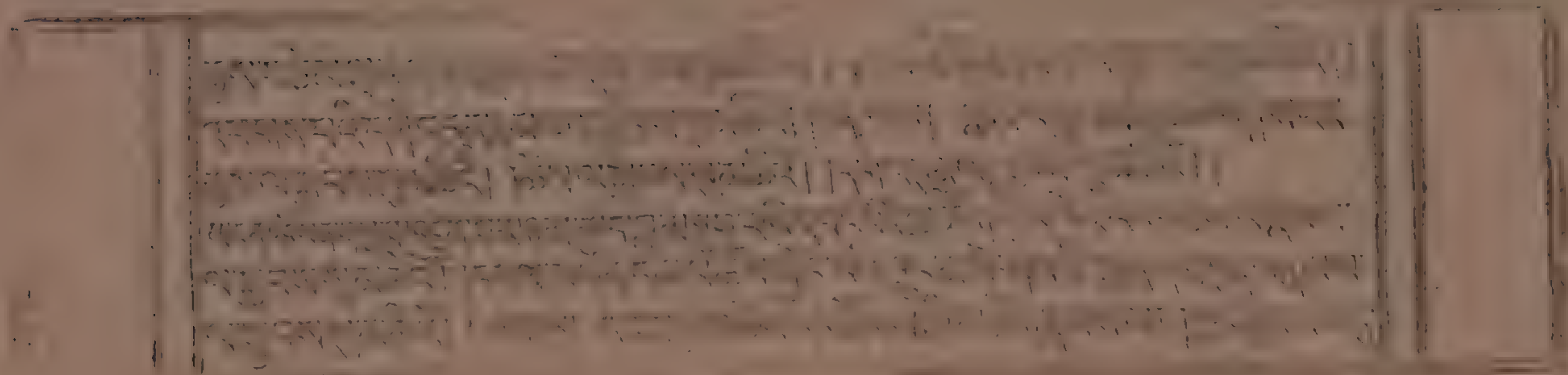
卷之六
六

卷之六

卷之六
六

三

此乃...
...
...
...
...



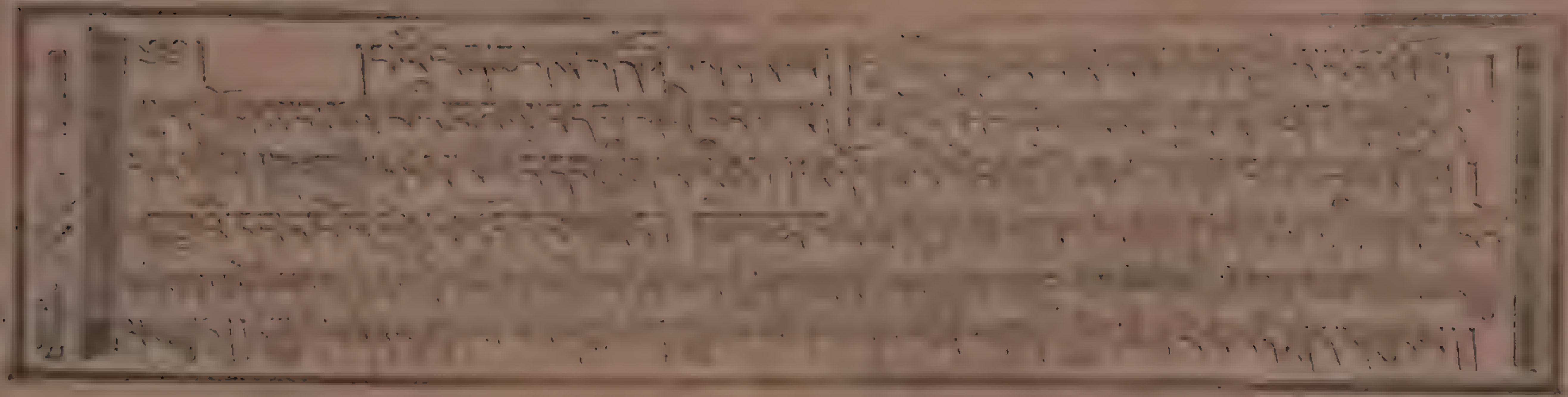
201
[Illegible handwritten text in a single column, likely a list or ledger entry, with some vertical lines separating columns of text.]

[Illegible handwritten text in a narrow column on the left margin, possibly a date or reference.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



Handwritten text in the top left corner, possibly a title or header.

Main body of handwritten text, consisting of several lines of script.

3883 ?

39। 1
འཕགས་པའི་ཡུལ་དུ་སྐྱེས་པའི་མཁས་པ་འཇམ་དཔལ་འཕེལ་བའི་པུ་སྐྱེས་པའི་
མཁས་པ་འཇམ་དཔལ་འཕེལ་བའི་པུ་སྐྱེས་པའི་

3883

...
...
...
...
...
...

卷之四

100

[illegible]

[illegible]

100

883

[illegible]

31. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31.

新刊

[illegible]

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.

[illegible]

Handwritten text on the left margin.

1001
[Faded handwritten text in a rectangular frame, likely a list or index. The text is mostly illegible due to fading.]

[illegible]

1871

[illegible]

[illegible]

3884

8.4

LEADY OF THE NATION'S ARCHIVES

Handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.

十一

卷之五

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवा ॥ मामका पांडवाश्चेन्महताः
 संजय ॥ १ ॥ पांडवस्य द्रुपदपुत्र उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पांडुपुत्रस्य भारत ॥
 तत्पश्यन् कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 अकृपया वीक्ष्य महाबाहो नमस्कृत्य पादम् ॥
 अर्चयन् संजय ॥ २ ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अर्जुन ॥ ३ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is cursive and appears to be a form of historical or religious text. The ink is dark on a light-colored paper background.

[illegible]

[illegible]

1900

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ श्रीगुरुदेव ॥
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं दृष्ट्वा शङ्कितमहर्षिणम् ॥
 उवाच ॥ त्वं प्रह्लाद उवाच ॥ श्रीगुरुदेव ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ श्रीगुरुदेव ॥
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं दृष्ट्वा शङ्कितमहर्षिणम् ॥
 उवाच ॥ त्वं प्रह्लाद उवाच ॥ श्रीगुरुदेव ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ श्रीगुरुदेव ॥
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं दृष्ट्वा शङ्कितमहर्षिणम् ॥
 उवाच ॥ त्वं प्रह्लाद उवाच ॥ श्रीगुरुदेव ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ॥
 विसृज्य धर्मं कुरु ॥ १ ॥
 कुरु कुरु ॥ २ ॥
 कुरु कुरु ॥ ३ ॥
 कुरु कुरु ॥ ४ ॥
 कुरु कुरु ॥ ५ ॥
 कुरु कुरु ॥ ६ ॥
 कुरु कुरु ॥ ७ ॥
 कुरु कुरु ॥ ८ ॥
 कुरु कुरु ॥ ९ ॥
 कुरु कुरु ॥ १० ॥

三

[illegible]

۵۴۱

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

151

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1231

33. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सुः प्रह्लाद उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्राणामाचारं
 ब्रूयाद्भवती हि मूर्खता यदा ॥
 अस्माकं त्वं पश्य इन्द्र ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सुः प्रह्लाद उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्राणामाचारं
 ब्रूयाद्भवती हि मूर्खता यदा ॥
 अस्माकं त्वं पश्य इन्द्र ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

537

विश्वेश्वरानि विदितवन्तु । पुनरपि विदितवन्तु ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मन्त्रादिभिरुक्तं नित्यं विदुः शिवं तदा मुक्तिर्भवति

[illegible]

625. 7. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 8

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint handwritten script in Devanagari style, likely from a manuscript.]

Handwritten text in the left margin, likely a title or reference.

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

१५५५

三

231

